www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 107 | जौनपुर सोमवार, 01 दिसम्बर 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

सीएम योगी की नीतियों से थारू जनजाति को मिल रही नई पहचान

लखनऊ, (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश को 2029 तक एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। इसके लिए वह इंफ्रास्ट्रक्चर, ट्रांसपोर्ट, उद्योग, एमएसएमई, हस्तशिल्प, और हथकरघा सभी को साथ लेकर चल रहे हैं। उनका मानना है कि विकास की दौड़ में कोई भी पीछे न छूटने पाए। मुख्यमंत्री का ध्यान हाशिए पर रहे जनजाति समुदाय पर भी है। उत्तर प्रदेश के जनपदों में रहने वाली जनजाति को बाजार से जोड़कर आर्थिक उन्नयन कर रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का उत्तर प्रदेश में जनजाति के सशक्तिकरण पर विशेष ध्यान है। थारू जनजाति के लिए लगभग 350 से ज्यादा समूह गठित किए गए हैं। इसके माध्यम से जनजाति को व्यापार और उद्योग के लिए वित्तीय सहायता भी दी जा रही है। सरकार जनजातियों को छोटा–मोटा व्यवसाय शुरू करने के लिए लगभग 1.50

लाख रुपए की वित्तीय मदद दे रही है। इसके जरिए वे छोटे उद्योग स्थापित कर सकेंगे, जो उनकी आजीविका के लिए मददगार होगा। उत्तर प्रदेश में थारू जनजाति गोरखपुर, महराजगंज, बलरामपुर, बहराइच, लखीमपुर खीरी, और पीलीभीत में निवास करती है। यह जनजाति काष्ठशिल्प और बांस से जुड़े उत्पादों को बनाने में दक्ष होती है। लखीमपुर खीरी के पलिया ब्लॉक में फॉरेस्ट एंड डेवलपमेंट रिलेटेड वैल्यू चेन कंपनी थारू जनजाति के हस्तशिल्प उत्पादों की ब्रांडिंग और मार्केटिंग कर रही है। इससे जनजाति समुदाय में आर्थिक विकास के लिए आत्मविश्वास बढ़ा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की महत्वाकांक्षी योजना एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) ने उत्तर प्रदेश के वंचित और पिछड़े समूहों के आर्थिक सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ओडीओपी ने 2018 में अपनी लॉन्चिंग से लेकर अब तक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष तौर पर 3 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार उपलब्ध कराया है। ओडीओपी की ही देन है कि 2016–17 में यूपी का निर्यात लगभग 80,000 करोड़ था जो बढ़कर 1.56 लाख करोड़ के पार चला गया है। इसका लाभ जनजाति समुदाय को भी मिल रहा है।

मौजूदा दौर में राजनीति अर्थव्यवस्था पर तेजी से हावी होती जा रही : एस. जयशंकर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शनिवार को कहा कि मौजूदा समय में राजनीति अर्थव्यवस्था पर तेजी से हावी होती जा रही है। जयशंकर यहां आईआईएम–कलकत्ता के परिसर में 'डॉक्टरेट' की मानद उपाधि मिलने के बाद सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, यह एक ऐसा दौर है जिसमें राजनीति, अर्थव्यवस्था पर हावी होती जा रही है... और यह कोई मजाक की बात नहीं है। जयशंकर ने यह भी कहा कि चीन ने लंबे समय तक अपने ही नियमों के अनुसार चीजें की है और वह अब भी ऐसा ही कर रहा है। विदेश मंत्री ने कहा कि इस परिस्थिति में, अन्य देश इस बात को लेकर अस्पष्ट हैं कि दिख रही प्रतिस्पर्धा या सौदेबाजी पर ध्यान देना चाहिये या नहीं। जयशंकर ने कहा, वैश्विकरण,

विखंडन और आपूर्ति की कमी के ऐसे दबावों और तनावों का सामना करते हुए शेष विश्व अचानक पेश आने वाली सभी मुश्किलों से बचने के लिए खुद को तैयार कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत सक्रिय रूप से आत्मनिर्भर बनने की कोशिश कर रहा है और खुद को उद्योगों के लिए एक विनिर्माण केंद्र बना रहा है। उन्होंने कहा कि भारत आधारभूत ढांचा के साथ–साथ विज्ञान के क्षेत्र में भी तेजी से तरक्की कर रहा है।

संक्षिप्त खबरें

अदालत ने तीन डॉक्टरों और एक मौलवी को 10 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली की एक अदालत ने लाल किला विस्फोट मामले में गिरफ्तार तीन डॉक्टरों और एक मौलवी को शनिवार को 10 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। सभी चार आरोपियों – मुजम्मिल गनई, अदील राठेर और शाहीना सईद के साथ–साथ मौलवी इरफान अहमद वागय को प्रधान एवं सत्र न्यायाधीश अंजू बजाज चांदना के समक्ष पेश किया गया, जिन्होंने चारों को 10 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। अब तक, राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने इस मामले में सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जो जम्मू–कश्मीर पुलिस द्वारा भंडाफोड़ किए गए एक 'सफेदपोश' आतंकी मॉड्यूल से जुड़े हैं। एनआईए ने एक बयान में कहा, ''एजेंसी आत्मघाती बम विस्फोट के सिलसिले में विभिन्न सुरागों की तलाश जारी रखे हुए है तथा इस बर्बर हमले में शामिल अन्य लोगों की पहचान करने और उनका पता लगाने के लिए संबंधित पुलिस बलों के साथ समन्वय में विभिन्न राज्यों में तलाशी अभियान चला रही है।'' दस नवंबर को लाल किले के बाहर विस्फोटकों से लदी आई20 कार में विस्फोट हुआ था, जिसे डॉ. उमर–उन–नबी चला रहा था।

चुनाव आयोग ने बढ़ाई वोटर लिस्ट की सफाई की अंतिम तिथि

नई दिल्ली, (एजेंसी)। चुनाव आयोग ने 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में वोटर लिस्ट की सफाई के लिए चलाए जा रहे स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन प्रोग्राम की समय सीमा एक सप्ताह के लिए बढ़ाकर 14 फरवरी कर दी है। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब इस मुद्दे पर कल से शुरू हो रहे संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान बड़ा हंगामा होने की संभावना है। चुनाव आयोग ने अपने तीन पन्नों के आदेश में कहा कि उसने पोल अधिकारियों को वोटरों की ड्राफ्ट लिस्ट पब्लिश करने के लिए एक और सप्ताह का समय दिया है। पहले वोटर लिस्ट की गिनती का काम 4 दिसंबर को खत्म होना था और ड्राफ्ट लिस्ट 9 दिसंबर को जारी होनी थी। अब गिनती 11 दिसंबर को खत्म होगी, ड्राफ्ट लिस्ट 16 दिसंबर को पब्लिश होगी, और फाइनल वोटर लिस्ट 14 फरवरी को जारी होगी। तृणमूल कांग्रेस और अन्य विपक्षी पार्टियों के नेताओं ने हाल ही में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से मुलाकात की थी और प्रक्रिया को रीशेड्यूल करने की मांग की थी। उन्होंने आयोग से इस काम को बेहतर तरीके से प्लान करने का आग्रह किया था। यह मांग उन रिपोर्ट्स के बीच आई है कि बूथ लेवल ऑफिसर्स पर बहुत ज्यादा दबाव है, क्योंकि उन्हें तंग शेड्यूल में घर–घर जाकर यह बड़ा काम पूरा करना पड़ रहा है। पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश से ठस्े की आत्महत्या की खबरें भी आई हैं। पश्चिम बंगाल में अगले साल की शुरुआत में चुनाव होने हैं।

कुछ भारतीय लोग अपनी ही भाषा नहीं जानते – मोहन भागवत

नागपुर, (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को भारतीय भाषाओं और मातृभाषाओं के घटते इस्तेमाल पर चिंता जताई। मोहन भागवत ने कहा कि हालात ऐसी स्थिति पर पहुंच गए हैं कि कुछ भारतीय लोग हमारी अपनी भाषाएं नहीं जानते हैं। संत ज्ञानेश्वर की मूल रूप से मराठी में लिखी गई पुस्तक श्री ज्ञानेश्वरी के अंग्रेजी संस्करण के विमोचन के अवसर पर नागपुर में बोलते

हुए भागवत ने समाज से भाषाई विरासत के धीरे–धीरे कम होने पर आत्मचिंतन करने की अपील की। उन्होंने कहा, श्एक समय था जब सारा संचार, लेन–देन, रोजमर्रा के काम संस्कृत में होते थे। अब, कुछ अमेरिकी प्रोफेसर हमें संस्कृत पढ़ाते हैं, जबकि वास्तव में हमें इसे दुनिया को सिखाना चाहिए था। आज बहुत से बच्चे कुछ बुनियादी और सरल शब्द भी नहीं जानते हैं और अक्सर घर पर अपनी मातृभाषा और अंग्रेजी के मिश्रण में बात करते हैं। आरएसएस प्रमुख ने कहा, श्स्थिति यहां तक पहुंच गई है कि कुछ भारतीय लोग हमारी अपनी भारतीय भाषाएं नहीं जानते हैं।श उन्होंने कहा कि अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा इसके लिए जिम्मेदार नहीं है, बल्कि घर पर भारतीय भाषाएं बोलने की अनिच्छा के कारण स्थिति और बिगड़ रही है। उन्होंने कहा, श्अगर हम अपने घर में अपनी भाषा ठीक से बोलें, तो चीजें बेहतर होंगी। लेकिन हम ऐसा नहीं करते। भागवत ने कहा कि अब संत भी अंग्रेजी में बात करते हैं।

10 साल पहले के मुकाबले भारत का अनाज उत्पादन 100 मिलियन टन बढ़ गया है : पीएम नरेंद्र मोदी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज 30 नवंबर को मन की बात के 128वें एपिसोड में अपने विचार शेयर किए. देश–विदेश में चर्चित इस रेडियो कार्यक्रम में प्रधानमंत्री विभिन्न प्रेरणादायक कहानियों को शेयर करते हैं. प्रधानमंत्री का मकसद इस कार्यक्रम के जरिए अपने अनुभवों के माध्यम से युवाओं को देश के विकास में योगदान देने के लिए प्रेरित करना रहता है. मन की बात के 128वें एडिशन में पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा, नवंबर का महीना बहुत सारी उम्मीदें लेकर आया है. कुछ दिन पहले 26 नवंबर को संविधान दिवस के मौके पर संसद के सेंट्रल हॉल में एक खास कार्यक्रम हुआ. वंदे मातरम की 150वीं सालगिरह पर देश भर में बड़े इवेंट्स की एक सीरीज शुरू हुई. 25 नवंबर को अयोध्या के राम मंदिर में धर्म ध्वजा फहराई गई. उसी

दिन कुरुक्षेत्र के ज्योतिसर में पांचजन्य मेमोरियल का उद्घाटन हुआ. पीएम मोदी ने कहा, भारत ने एविएशन सेक्टर में मेंटेनेंस, रिपेयर और ओवरहॉल में एक बड़ा कदम उठाया है. पिछले हफ्ते आईएनएस माहे को मुंबई में इंडियन नेवी में शामिल किया गया. इसी दौरान स्काईरूट के इनफिनिटी कैंपस से भारत के स्पेस इकोसिस्टम को एक नया बूस्ट मिला. यह सब भारत के नए आइडिया, इनोवेशन और युवा शक्ति का रिफ्लेक्शन बन गया है. उन्होंने कहा, भारत ने कृषि क्षेत्र में बड़ी कामयाबी हासिल की है. भारत ने 357 मिलियन टन अनाज पैदा करके एक ऐतिहासिक रिकॉर्ड बनाया है. 10 साल पहले के मुकाबले भारत का अनाज प्रोडक्शन 100 मिलियन टन बढ़ गया है. खेलों को लेकर भी बात की. उन्होंने कहा,खेल की दुनिया में भी भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है. कुछ दिन पहले यह घोषणा की गई कि भारत कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी करेगा. ये उपलब्धियां देश और देशवासियों की हैं. इसी के साथ उन्होंने जेन जी के बारे में भी चर्चा की. पीएम मोदी ने कहा, कुछ दिन पहले सोशल मीडिया पर एक वीडियो ने मेरा ध्यान खींचा।

छत्तीसगढ में 80 प्रतिशत नक्सलवाद खत्म, जल्द ही पूरी तरह खत्म होगा

छत्तीसगढ, (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने शनिवार को कहा कि राज्य में लगभग 80 प्रतिशत नक्सलवाद खत्म हो गया है, जबकि शेष 20 प्रतिशत राज्य के पश्चिमी और दक्षिणी इलाकों के कुछ इलाकों तक ही सीमित है। शर्मा ने कहा कि इस खतरे को तय समय में पूरी तरह खत्म कर दिया जाएगा। केंद्र सरकार ने मार्च 2026 तक देश से नक्सलवाद को खत्म करने का संकल्प लिया है। छत्तीसगढ़ के गृह विभाग का प्रभार संभाल रहे उपमुख्यमंत्री ने आज यहां संवाददाताओं से कहा, छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद 80 प्रतिशत तक खत्म हो गया है, और सिर्फ 20 प्रतिशत बचा है। यह अबूझमाड़ के पश्चिमी इलाकों, सुकमा और बीजापुर जिलों के दक्षिणी इलाकों के कुछ इलाकों में

अभी भी है। उन्होंने कहा, आज, बस्तर के लोग आखिरकार बिना किसी डर के खुली हवा में सांस ले सकते हैं। शर्मा ने भरोसा जताया, हालात जल्द ही इतने ठीक हो जाएंगे कि कोई भी शाम को इंद्रावती नदी (जो बस्तर इलाके से होकर बहती है) के किनारे बैठकर एक कप चाय का मजा ले सकेगा। उन्होंने कहा कि सरकार को यकीन है कि बस्तर का जल, जंगल, जमीन बस्तर के लोगों, खासकर इसके युवाओं का है। उपमुख्यमंत्री ने कहा, बस्तर से एक मजबूत आवाज उठ रही है कि बस्तर के युवा खुद इस इलाके का भविष्य तय करेंगे। वे कहते हैं, हम अपने बस्तर का ख्याल रखेंगे। यह गर्व और बहुत खुशी की बात है। बस्तर ओलंपिक्स और बस्तर पंडुम में दिखे जोश के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि इन कार्यक्रमों में हिस्सा लेने वाले और लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए प्रतिबद्ध युवा इस इलाके की कमान संभालने के लिए तैयार हैं। शर्मा ने कहा कि पंचायतों और ग्राम सभाओं को मजबूत बनाने से जुड़े सभी कानूनी नियम जल्द ही लागू किए जाएंगे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के इस बयान के बारे में पूछे जाने पर कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने तीन बड़े सुरक्षा हॉटस्पॉट – नक्सलवाद, नार्थ–ईस्ट और जम्मू–कश्मीर का स्थायी समाधान दिया है, शर्मा ने कहा, मैंने सुना है कि पहली बार केंद्रीय गृह मंत्रालय का कार्यभार संभालने के बाद, उन्होंने इस बात पर जोर दिया था कि मंत्रालय में नक्सलवाद, नॉर्थ–ईस्ट और जम्मू–कश्मीर के लिए अलग–अलग सेल खत्म कर देने चाहिए।

बिहार के मुख्यमंत्री ने अपने पैतृक गांव में दिवंगत पिता को श्रद्धांजलि दी

बिहार, (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को अपने दिवंगत पिता और स्वतंत्रता सेनानी कविराज रामलखन सिंह की पुण्यतिथि पर अपने पैतृक गांव कल्याण बिगहा में उन्हें श्रद्धांजलि दी। कुमार ने अपने पिता के नाम पर बने मेमोरियल गार्डन में फूल चढ़ाए। मुख्यमंत्री कार्यालय से जारी एक विज्ञप्ति के मुताबिक कुमार ने कविराज रामलखन सिंह स्मृति वाटिका में स्वतंत्रता सेनानी की प्रतिमा पर माला चढ़ाई। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर अपनी दिवंगत मां परमेश्वरी देवी और दिवंगत पत्नी मंजू सिन्हा की प्रतिमाओं पर भी फूल चढ़ाए। बड़े भाई सतीश कुमार, रिश्तेदार और करीबी सहयोगियों समेत मुख्यमंत्री के परिवार के सदस्यों ने भी दिवंगतों को श्रद्धांजलि दी। इस यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री ने गांव के भगवती मंदिर में पूजा–पाठ भी किया और पास के तालाब में मछलियों को दाना डाला। बयान

के मुताबिक, कुमार ने स्थानीय लोगों से मुलाकात की, उनका हालचाल पूछा और परेशानियां सुनीं। उन्होंने अपने साथ आए अधिकारियों को गांववालों की समस्याओं को हल करने के लिए जरूरी कदम उठाने का निर्देश दिया। इस मौके पर सांसद कौशलेंद्र कुमार, रंजन, विधान परिषद के सदस्य संजय कुमार सिंह और ललन सर्राफ, और जदयू के राष्ट्रीय महासचिव मनीष कुमार वर्मा समेत कई नेता और जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

तेजस्वी यादव को बिहार विधानमंडल में महागठबंधन का नेता चुना गया

बिहार, (एजेंसी)। बिहार में विपक्षी महागठबंधन के विधायकों ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के तेजस्वी यादव को शनिवार को सर्वसम्मति से राज्य विधानमंडल में गठबंधन का नेता चुना। यह निर्णय सोमवार से विधानमंडल के शुरू हो रहे पांच दिवसीय सत्र से पहले यादव द्वारा आयोजित एक बैठक में लिया गया। इस सत्र के दौरान 243 सदस्यीय विधानसभा के सभी नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलायी जाएगी। बैठक के बाद पत्रकारों

से बात करते हुए राजद विधायक भाई वीरेंद्र ने कहा, ''तेजस्वी यादव को राज्य विधानमंडल में महागठबंधन का नेता चुना गया है। निश्चित रूप से, वह विधानसभा में हमारी पार्टी के नेता भी होंगे। कांग्रेस के विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) एवं पार्टी की प्रदेश इकाई के कार्यकारी अध्यक्ष समीर कुमार सिंह ने कहा, तेजस्वी यादव पर फैसला सर्वसम्मति से लिया गया। हमारे पास पर्याप्त संख्या बल है और वह विपक्ष के नेता भी होंगे। हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में महागठबंधन को करारी हार का सामना करना पड़ा, जिसमें सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने 202 सीट जीतकर सत्ता बरकरार रखी। सिंह ने कहा, बैठक में, विधानमंडल के दोनों सदनों के सदस्यों ने चुनाव कराने के तरीके पर चिंता जतायी। ये स्वतंत्र और निष्पक्ष नहीं थे। पहले बिहार में आयोजित विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) एक संदिग्ध प्रक्रिया बनी हुई है। इस पर कोई आश्चर्य नहीं कि पश्चिम बंगाल जैसे राज्य में इतना राजनीतिक टकराव है। कांग्रेस नेता ने कहा, हम सदन में जनता से जुड़े सभी मुद्दों पर अपनी आवाज उठाते रहेंगे।

राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में सर्वदलीय बैठक

नई दिल्ली, (एजेंसी)। संसद का शीतकालीन सत्र सोमवार से शुरू हो रहा है। केंद्र और विपक्ष के बीच इस शीतकालीन सत्र में कई मुद्दों को लेकर हंगामा छिड़ने के आसार अभी से नजर आ रहे हैं। शीतकालीन सत्र से पहले रविवार को हुई केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में रविवार को हुई सर्वदलीय बैठक में जेपी नड्डा, किरेन रिजिजू समेत कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, गौरव गोगोई और अन्य नेता शामिल हुए। सर्वदलीय बैठक के बाद कांग्रेस के लोकसभा सांसद गौरव गोगोई ने कहा, श्ऐसा लगता है कि सरकार, भाजपा, प्रधानमंत्री भारत के लोकतंत्र और संसदीय परंपराओं को खत्म करना चाहते हैं।श उन्होंने कहा, ये संभवतः सबसे छोटा शीतकालीन सत्रय ऐसा लगता है कि सरकार संसद को पटरी से उतारना चाहती है। उन्होंने संसद में पार्टी की रणनीति को लेकर कहा, सर्वदलीय बैठक में कांग्रेस ने राष्ट्रीय सुरक्षा, वायु प्रदूषण, लोकतंत्र की रक्षा, मतदाता सूची की सुरक्षा पर चर्चा

की मांग की। सर्वदलीय बैठक के बाद माकपा नेता जॉन ब्रिटास ने कहा, दिल्ली में लाल किले के पास हुए विस्फोट ने सरकार की पोल खोल दी है। हमारी पार्टी सुरक्षा से मुद्दों पर संसद में विस्तृत चर्चा चाहती है। उन्होंने कहा कि यदि संसद बाधित होती है और ठप्प होती है तो इसकी पूरी जिम्मेदारी सरकार की होगी। सर्वदलीय बैठक के बाद संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, शकिसी ने नहीं कहा कि संसद नहीं चलेगी या चलने नहीं देंगे। कुछ नेताओं ने कहा कि वेैप्त पर सदन में हंगामा कर सकते हैं। मैं सकारात्मक रूप से कह रहा हूं कि हम विपक्ष की बात सुनने के लिए तैयार हैं। संसद सबकी है, देश की है। संसद में हर मुद्दे पर चर्चा करने का एक तरीका होता है। नियम होते हैं, परंपराएं होती हैं। किरेन रिजिजू ने कहा, श्शीतकालीन सत्र में हम आशा करते हैं कि सभी लोग शांत मन से काम करेंगे और गरमागरम बहस से बचेंगे। संसद में बहस होगी और मुझे उम्मीद है कि कोई व्यवधान नहीं होगा। अगर हम शांत मन से काम करेंगे, तो यह देश के लिए फायदेमंद होगा और संसद सत्र सुचारू रूप से चलेगा शीतकालीन सत्र में केंद्र सरकार असैन्य परमाणु क्षेत्र को निजी कंपनियों के लिए खोलने संबंधी विधेयक के साथ अपने सुधार एजेंडे को आगे बढ़ाएगी। वहीं, विपक्ष 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूची के संशोधन का मुद्दा उठाने की तैयारी में है।

संपादकीय

कानून की परिभाषा अक्सर बदल जाती है

पुनरीक्षण याचिका पर सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने 2–1 के बहुमत से मई में दिए गए फैसले को पलट दिया है। नतीजतन, पर्यावरण मंजूरी की बिना परवाह किए काम शुरू करो और बाद में मंजूरी ले लो– यह चलन जारी रहेगा। कानून यह है कि कोई किसी भी निर्माण परियोजना पर काम पर्यावरण संबंधी मंजूरी मिलने के बाद ही होना चाहिए। मगर सरकार ने पहले 2017 में एक अधिसूचना और फिर 2021 में ऑफिस मेमोरैंडम के माध्यम से प्रावधान कर दिया कि बिना पर्यावरण संबंधी हरी झंडी लिए जिन परियोजनाओं पर काम आगे बढ़ चुका है, उन्हें बाद में ऐसी मंजूरी दी जा सकेगी। मुद्दा है कि कोई परियोजना जब पर्यावरण को क्षति पहुंचा चुकी हो, तो फिर उसे मंजूरी देने या ना देने की क्या अहमियत है? बहरहाल, सरकार ने ऐसा प्रावधान किया, तो उसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई। इस वर्ष मई में सर्वोच्च न्यायालय ने इस प्रावधान को रद्द कर दिया। दो जजों की बेंच ने उचित निर्णय दिया कि ऐसा करना कानून और उसकी भावना के खिलाफ है। मगर चूंकि इस फैसले से बड़े– बड़े हित प्रभावित हो रहे थे, तो पुनरीक्षण याचिका पर कोर्ट ने तीन जजों की बेंच बनाई। अब उस बेंच ने 2–1 के बहुमत से मई में दिए गए फैसले को पलट दिया है। यानी पर्यावरण मंजूरी की बिना परवाह किए काम शुरू करो और बाद में मंजूरी ले लो– यह चलन जारी रहेगा। मई में फैसला देने वाली बेंच में शामिल रहे जज जस्टिस उज्जल भुइंया नई बेंच में भी थे। उन्होंने असहमत फैसला दिया। इसमें उचित ही उन्होंने दिल्ली में छाये स्मॉग का उदाहरण देते हुए देश में गहराते जा रहे पारिस्थितिकीय संकट का हवाला दिया। उन्होंने इस दलील को ठुकरा दिया कि मई का फैसला लागू रहने पर अरबों रुपये का निर्माण तोड़ना होगा, इसलिए फैसले को उलट दिया जाए। लेकिन बाकी दो जजों ने 20 हजार करोड़ रुपये की संपत्ति के दांव पर लगे होने का तर्क देते हुए निर्णय को पलट दिया। वैसे उनके सामने विकल्प यह भी था कि कानून के हुए उल्लंघन पर भारी जुर्माना लगाते, उल्लंघन होने देने के दोषी अधिकारियों की जवाबदेही तय करते, और निर्णय देते कि आगे से ऐसा करने की अनुमति नहीं होगी। संदेश साफ है, जब धनी–मानी लोगों के हित जुड़े हों, तो अक्सर कानून की परिभाषा बदल जाती है!

अब कोई पुराने वादों को याद नहीं करता

अजीत द्विवेदी

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 2013 का एक वीडियो अपने सोशल मीडिया अकाउंट से शेयर किया है। उस समय वे गुजरात के मुख्यमंत्री थे और डॉलर के मुकाबले रुपए की गिरती कीमत पर चिंता जता रहे थे। उस समय सिर्फ नरेंद्र मोदी ही नहीं, बल्कि भाजपा के दूसरे नेता भी कहते थे कि रुपए की कीमत गिरने का मतलब होता है देश की प्रतिष्ठा गिरना। ध्यान रहे उस समय एक डॉलर की कीमत 60 रुपए के करीब थी। आज जब एक डॉलर की कीमत 90 रुपए के करीब पहुंच गई है तो कांग्रेस के नेता और सोशल मीडिया में कांग्रेस इकोसिस्टम के लोग पुराने वीडियो या सोशल मीडिया पोस्ट निकाल कर सार्वजनिक कर रहे हैं। इसी क्रम में जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री मोदी का वीडियो साझा किया तो एक कांग्रेस समर्थक ने आर्ट ऑफ लिविंग वाले रविशंकर की पोस्ट साझा की, जिसमें वे नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने पर डॉलर की कीमत 40 रुपए हो जाने की उम्मीद जता रहे थे। इसी तरह पेट्रोल और डीजल की कीमतों को लेकर पुरानी बातें भी याद दिलाई जा रही हैं। लोग सोशल मीडिया में शेयर कर रहे हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ साथ अमिताभ बच्चन से लेकर अक्षय कुमार और बाबा रामदेव तक का मजाक बना रहे हैं। एक समय था जब फिल्म और क्रिकेट के सितारों सहित रामदेव जैसे लोग इस बात से परेशान रहते थे कि पेट्रोल की कीमत 60 रुपए प्रति लीटर हो गई है और अब आम आदमी का काम कैसे चलेगा। एक अभिनेता ने तो लिखा था कि उनके ड्राइवर को बड़ी मुश्किल हो गई है और उन्होंने ड्राइवर को साइकिल से चलने के लिए कहा है। लेकिन अब पेट्रोल की कीमत एक सौ रुपए प्रति लीटर है और किसी के ड्राइवर को समस्या नहीं हो रही है। ऐसा नहीं है कि सिर्फ रुपए के कमजोर होने या पेट्रोल की कीमत बढ़ने को लेकर विपक्षी पार्टियों के नेता या उनके समर्थक देश के नागरिकों की याद्दाश्त के ताले खोलने की कोशिश कर रहे हैं। कई और मामलों में ऐसा करने की कोशिश हो रही है। विदेशों में जमा काला धन लाने की बात उनमें से एक है। ध्यान रहे प्रधानमंत्री पद के दावेदार के तौर पर नरेंद्र मोदी ने 2014 में कहा था कि विदेशों में भारत का इतना काला धन जमा है कि अगर वह वापस आ जाए तो हर भारतीय के खाते में 15–15 लाख रुपए आ सकते हैं। उनका संकल्प था काला धन विदेश से लाना है। लेकिन बाद में पता चला कि जितना बताया जा रहा उसके एक प्रतिशत के बराबर भी काला धन बाहर नहीं है और यह भी पता चला कि जो है वह भी काला धन नहीं है। उसमें बढ़ोतरी होने की खबरें भी गाहेबगाहे आती रहती हैं। बहरहाल, लोगों को महंगाई से लेकर महिलाओं की सुरक्षा और नोटबंदी के बावजूद बाजार में नकदी की उपलब्धता से लेकर अर्थव्यवस्था के ग्राफ तक सबकी याद दिलाई जा रही है। सोचें, नकदी की मात्रा कम करने के लिए नोटबंदी की गई थी और आज उस समय के मुकाबले दोगुनी नकदी बाजार में मौजूद है। यही हाल देश की अर्थव्यवस्था का है। आत्मनिर्भर भारत और 2047 तक विकसित भारत बनाने के तमाम नैरेटिव के बीच हकीकत यह है कि देश की अर्थव्यवस्था पूरी तरह से आयात पर आधारित होती जा रही है, जिससे भारत का व्यापार घाटा तेजी से बढ़ रहा है। रॉकेट की रफ्तार से भारत का व्यापार घाटा बढ़ रहा है। पिछले साल यानी 2024 के सितंबर में भारत का व्यापार घाटा 24.65 अरब डॉलर था। यह एक महीने का घाटा था। अगले साल सितंबर का आंकड़ा आया तो साल दर साल के मुकाबले इसमें आठ अरब डॉलर की बढ़ोतरी हुई थी और सितंबर 2025 में भारत का व्यापार घाटा बढ़ कर 32.15 अरब डॉलर हो गया था। लेकिन एक महीने बाद अक्टूबर 2025 का व्यापार घाटा हैरान करने वाला था। हाल में आए आंकड़ों से पता चला है कि अक्टूबर में भारत का व्यापार घाटा बढ़ कर 41.68 अरब डॉलर हो गया। अगर यह औसत है तो इसका मतलब है कि साल में पांच सौ अरब डॉलर का व्यापार घाटा! अकेले चीन से भारत का व्यापार घाटा एक सौ अरब डॉलर से ज्यादा हो गया है। सोचें, इस रफ्तार से भारत की अर्थव्यवस्था आयात पर निर्भर होती जाएगी और निर्यात के मुकाबले आयात का अंतर बढ़ता जाएगा तो कहां से आत्मनिर्भरता आएगी और क्या विकास होगा? अभी बहुत उथलपुथल नहीं होने के बावजूद रुपए की कीमत में बड़ी गिरावट देखने को मिल रही है एक डॉलर 89 रुपए का हो गया है। सवाल है कि अब क्यों किसी को रुपए की कीमत गिरने पर शर्म नहीं आ रही है या पेट्रोल की कीमत रिकॉर्ड ऊंचाई पर होने के बावजूद किसी को समस्या नहीं हो रही है या काला धन नहीं आने और नकदी बढ़ते जाने पर भी कोई परेशान क्यों नहीं हो रहा है? क्या देश की सामूहिक याद्दाश्त इतनी कमजोर हो गई है कि लोग 11 साल पहले की सारी बातें, सारे वादे भूल चुके हैं? यह सही है कि लोगों की याद्दाश्त कमजोर होती है और खास कर राजनेताओं के वादों के मामले में। लेकिन इस तरह से लोग सब कुछ भूल जाएं यह भी अनोखी बात है। अब कोई पुराने वादों को याद नहीं कर रहा है, कोई पुराने मुद्दे नहीं उठा रहा है, किसी को परवाह नहीं है क्योंकि उनके सामने हर दिन नया वादा आ रहा है, हर दिन नया मुद्दा आ रहा है।

केंद्र की श्रम संहिताएं करती हैं मजदूरों की सुरक्षा को कमजोर

नीलोत्पल

कोई प्रौद्योगिकी को उत्पादन की प्रक्रिया में एक जरूरी चीज मानता है, तो आज इसका इस्तेमाल सिर्फ पूंजी के साथ हो रहा है। एक तरफ, इससे उत्पादकता बढ़ेगी, लेकिन कामगारों को बराबर सुरक्षा न मिलने से शोषण जरूर बढ़ेगा। लेबर कोड

का हर नियम इसी तरफ इशारा करता है। हार विधानसभा चुनावों में एनडीए की बड़ी चुनावी जीत और उसके साथ हुई खुशी के तुरंत बाद भारत सरकार ने चार श्रम संहिताओं (लेबर कोड) को अधिसूचित कर दिया है। मजदूरी, औद्योगिक संबंध, काम से जुड़ी सुरक्षा और सामाजिक सुरक्षा पर बनी ये संहिताएं देश के श्29 श्रम कानूनों को आसान बनानेश के नाम पर हावी हो गए हैं। सच तो यह है कि ये लेबर कोड उन कानूनों में शामिल मजदूरों की सुरक्षा के निशानों को कमजोर करते हैं और हटा देते हैं। नौकरी की सुरक्षा के सवाल पर, श्रम विभाग की सभी संभावित भूमिकाएं खत्म कर दी जाएंगी। संगठित क्षेत्र में काम करने वाले 90प्रतिशत कार्यबल को सभी सुरक्षा से वंचित कर दिया जाएगा, क्योंकि उनके पास नियुक्ति का अधिकार (अपॉइंटमेंट अथॉरिटी) नहीं है। केंद्र सरकार का दावा है कि लेबर कोड सभी के लिए न्यूनतम मजदूरी पक्का करेंगे। लेकिन, कई राज्यों को मौजूदा न्यूनतम मजदूरी कम करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा और स्कीम वर्कर्स समेत लाखों कामगार न्यूनतम मजदूरी से बाहर हो जाएंगे, न्यायपूर्ण (फेयर) या लिविंग वेज(जीव चलाने के लिए जरूरी मजदूरी) की तो बात ही छोड़ दें। यह भी दावा किया जा रहा है कि लेबर कोड्सगिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स के लिए सामाजिक सुरक्षा लाएंगे। लेकिन, इसके लिए कोई फंड देने या कोई समयसीमा नहीं है। लेकिन नियोक्ता–कामगार संबंध का कई क्रिक्र के बिना, आधार आधारित व्यवस्था वर्तमान कार्यबल के लिए स्थिति को बेहतर बनाने के लिए क्या करेगा? एक और दावा यह है कि नये लेबर कोड के अनुसार शनिश्चित समय के लिए रोजगारश से बराबर फायदे पक्के होंगे। सच तो यह है कि यह सिर्फ स्थायी और कोर जॉब्स में स्थायी रूप से अस्थायी स्थिति लाएगा, और सभी स्थायी नौकरियों को अल्पावधि ठेके वाले कार्य से बदल देगा। इससे सर्विस की निरंतरता, वरीयता और असली फायदों का नुकसान होगा और इसके नतीजे में यूनियन कमजोर होगी। लेबर कोड सरकार को कंप्लायंस के रक्षक और नियामक की भूमिका से हटाते हैं, शिकायत आधारित निरीक्षण की प्रणाली को ही खत्म कर देते हैं और उसकी जगह स्व–प्रमाणीकरण लाते हैं, जो नौकरी करने वालों की सुरक्षा के लिए बनाए गए सभी मौजूदा प्रावधानों को तोड़ने की आजादी का एक नरम शब्द है। एक दावा यह है कि नये लेबर कोड से सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई), वृक्षारोपण, खनन और विनिर्माण कामगारों की सुरक्षा बेहतर होने की उम्मीद है। यह सच से कोसों दूर है। एमएसएमई के कामगार इस कानून के प्रावधानों दायरे से बाहर हैं और सेस उगाही में पारदर्शिता की कोई प्रणाली नहीं है। खनन और वृक्षारोपण जैसे कार्यों जिनमें दुर्घटना की संभावनाएं अधिक होती हैं, में निरीक्षण कम करने से सिर्फ और ज्यादा जानलेवा दुर्घटनाएं हो सकती हैं और नियोक्ताओं की जिम्मेदारी आपराधिकता से मुक्त हो जाएगी। केंद्र सरकार अपने प्रेस बयान और सोशल मीडिया पर जोर–शोर से कह रही है कि उन्होंने श्रम कानूनों को लेबर कोड से बदलने के लिए कामगारों के साथ हर मुमकिन विचार–विमर्श किया है। आजाद भारत में 1966 में बने पहले नेशनल कमीशन ऑन लेबर ने सरकार, नियोक्ताओं और कामगारों के बीच तीन–तरफा विचार–विमर्श के लिए एक संस्थागत व्यवस्था के तौर पर इंडियन लेबर कॉन्फ्रेंस (आईएलसी) आयोजित करने की सिफारिश की थी। हालांकि, पिछले दस सालों में आईएलसी की कोई बैठक आयोजित नहीं की गयी। इसलिए, जब संसद ने बिना किसी जरूरी चर्चा या बहस के लेबर कोड को पारित किया गया, तो यह असल में केंद्र सरकार का एकतरफा हुक्म था, जिसमें मालिकों के अपराधों को अपराध की श्रेणी से बाहर कर दिया गया और कर्मचारियों के सामूहिक अधिकारों और मोलभाव करने की कोशिशों को अपराध की श्रेणी में डाल दिया गया, और जाहिर है, विरोध करने के अधिकार को भी आपराधिक बनाया गया। वह ठीक वही समय था जब मालिकों की राय कर्मचारियों पर एकतरफा थोपी जा रही थी। यह साफ है कि लेबर कोड का असली मकसद श्ईज ऑफ डूइंग बिजनेसश (व्यापार करने में आसानी) को बार–बार एक नारे की तरह दोहराना है। दुख की बात है कि इससे यह अंदाजा लगाया गया कि इससे ज्यादा निवेश आएगा और नतीजतन रोजगार की दर भी बढ़ेगी। यह उस कड़वी सच्चाई से पूरी तरह अलग है जो सालों से भारतीय उद्योगों के वार्षिक सर्वक्षणों की रिपोर्टों में सामने आई है। इससे पता चलता है कि नेट वैल्यू एडिशन में मजदूरी का हिस्सा लगातार कम हो रहा है, जो 1981–82 में 30.27प्रतिशत से घटकर 2023–24 में सिर्फ 15.97 प्रतिशत रह गया है। इसी दौरान, मालिकों का मुनाफा 23.39 प्रतिशत से बढ़कर 51.01 प्रतिशत हो गया है। इसी प्रक्रिया का असर कामगारों पर और भी ज्यादा साफ है। मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर के लिए लेबर ब्यूरो के आंकड़ों से पता चलता है कि दशक की औसत विकास दर 2013–14 में 6.7 प्रतिशत से घटकर 2023–24 में 4.8प्रतिशत हो गई है। सरकार मानती है कि बेरोजगार पढ़े–लिखे युवाओं की संख्या बहुत ज्यादा है। 2024–25 के आर्थिक सर्वेक्षण से पता चलता है कि अगले दस सालों में हर साल औसतन 85 लाख नौकरियां पैदा होंगी, जिसमें भारत में युवाओं की बेरोजगारी दर दक्षिण एशिया में सबसे ज्यादा 17.6 प्रतिशत है। नीति आयोग का अनुमान है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस भारत के आईटी सेक्टर में 20 लाख प्रौद्योगिक नौकरियों पर असर डाल सकता है। मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर के लिए लेबर ब्यूरो के आंकड़ों से पता चलता है कि इसमें लगे लोगों की दशकीय विकास दर, जो 2004–05 और 2013–14 के बीच यह 7.14 प्रतिशत थी, वह 2014–15 और 2023–24 के बीच घटकर 5.92 प्रतिशत रह गयी है। ये आंकड़े साफ तौर पर घरेलू मांग में तेजी से कमी की ओर इशारा करते हैं। कॉर्पोरेट्स और नियोक्ताओं पर श्रमिकों का शोषण करने से जुड़ी सभी रोक हटाने से सिर्फ असमानता और बेरोजगारी बढ़ेगी, जो घरेलू मांग को पूरी तरह खत्म करने का नुस्खा है। ऐसी खराब हालत में निवेश कैसे बढ़ सकता है? लेबर कोड असल में मजदूरों को और गुलाम बनाने का एक ब्लूप्रिंट हैं। वास्तव में, ये आर्थिक उत्पादन के बुनियादी उसूलों को पूरी तरह कमजोर करने का संकेत देते हैं, जिन्हें चलाने के लिए दो चीजों– श्रम और पूंजी– की जरूरत होती है। अगर सरकार नियोक्ताओं पर से सभी नियम हटाकर और श्रमिकों को सब कुछ झेलने के लिए छोड़ कर, दोनों के बीच का संतुलन खत्म कर देती है, तो पूरी उत्पादन प्रणाली टूट और रुक जाएगी।

अच्छी परंपराओं की सीख, जो चीजों को संभालकर बरतने की थी

बाबा मायाराम

हमें पुरानी अच्छी परंपराओं से सीख लेनी चाहिए। चाहे हमारे बुजुर्ग हों, पुरखे हो, गांधी हो, बुद्ध हो, वे बाहर किताबों में नहीं हैं। अगर हमें उनकी कोई चीज, व्यवहार व आदतें अच्छी लगती हैं, तो उन्हें अपनाना चाहिए। कोई भी अच्छा विचार, परंपरा कहने की चीज नहीं है, बरतने की चीज है। सर्दियों का मौसम आ गया है। लोगों ने गर्म कपड़े पहनने शुरू कर दिए हैं। रंग–बिरंगी स्वेटर, शॉल, ऊनी टोपी, जैकेट, मफलर इत्यादि की दुकानें सजने लगी हैं। लेकिन मैं आज ऐसी परंपराओं की चर्चा करना चाहूंगा, जो चीजों को संभालकर बरतने की थी। उनसे यादें तो जुड़ी ही होती थीं, साथ ही कचरा भी नहीं होता था। अगर मैं अपने बचपन को याद करूं तो हमारे घर सर्दियों के दिनों में हम धान के पुआल का बिछौना बनाकर सोते थे। यह बहुत ही गर्म होता है और सोने में बहुत आरामदायक होता था और ठंड से बचाव के लिए रात में गुदड़ी ओढ़कर सोते थे। मेरी मां, जिसे मैं बाई कहता था, फटे–पुराने कपड़ों से गुदड़ी बनाती थी। फुरसत के समय वह पुराने कपड़ों को काटकर, सुई धागे से सिलकर गुदड़ी सिलती रहती थी। बाजार से सामान लाने के लिए झोले व तकिया का खोल बनाती थी। हमारे फटे हुए कपड़ों को सिलती थी, कई बार तो उनमें पैबंद भी लगाती थी, जिससे कपड़ा मजबूत व पहनने लायक हो जाए। इस तरह की परंपराएं देशभर में दिखने को मिलती हैं। पिछले साल इन्हीं दिनों में गुजरात के कच्छ इलाके में था। वहां के पशुपालक मालधारी हैं। वहां की महिलाएं बहुत ही सुंदर गुदड़ी बनाती हैं। खाली समय में महिलाएं यह काम करती रहती हैं। उन्होंने गुदड़ी एक मित्र को भेंट में भी दी थी। हमारे स्कूल के दिनों में लोग चिट्ठी लिखते थे। गांधी और नेहरू की चिट्ठियों की तो प्रसिद्ध ही हैं। उस समय कलम दवात वाली कलम से चिट्ठी लिखी जाती थी। हम सबने इसी पेन से लिखा है। अगर पेन की निब घिस जाती थी, तो बदल लेते थे। यह पेन सस्ता होता था, और लम्बे समय तक इस्तेमाल किया जाता था। इस पेन से अक्षर भी अच्छे बनते थे, लिपि भी सुधरती थी। अब यह निब वाला पेन दिखाई नहीं देता है। दुकानों पर भी मुश्किल से मिलता है। इसकी जगह रिफिल वाला पेन आ गया है। रिफिल और प्लास्टिक की पूरी बॉडी। दोनों ही कचरा पैदा करते हैं। घर से निकलने वाले कचरे में यह भी शामिल हो गया है। कई शहरों में कभी–कभार प्लास्टिक की थैलियां प्रतिबंधित है, पर रिफिल वाले पेन तो चल रहे हैं। यह भी तो कचरा फैलाने का काम करते हैं। कम्प्यूटर व मोबाइल पर भी कुछ लोग लिखने लगे हैं, पर इनकी संख्या बहुत कम है। जैसे–जैसे शिक्षा का दायरा बढ़ता जाएगा, कलम की जरूरत भी बढ़ती जाएगी। इसी अनुपात में कचरा भी बढ़ता जाएगा। मध्यप्रदेश के हमारे एक मित्र पुराने लिफाफे, एक तरफ लिखे कागजों का इस्तेमाल करते थे। यह अच्छी सोच है। इस संदर्भ में मैं ऐसे दो लोगों को याद करना चाहूंगा, जिन्होंने पुरानी चीजों और कबाड़ को शिक्षा का माध्यम बनाया। इनमें से एक हैं इन्दौर (मध्यप्रदेश) के कलागुरु विष्णु चिंचालकर और दूसरे हैं पुणे के अरविंद गुप्ता। विष्णु चिंचालकर, जिन्हें गुरुजी कहा जाता था, ने बेकार मानी जानी वाली चीजों से बेजोड़ कलाकृतियां बनाई। उनकी कला की दुनिया रंगों व ब्रश के दायरे से बड़ी थी। वे घास के तिनकों, सूखे पत्ते, टहनी, पत्थर, घर में पड़ी बेकार चीजों को नया रूप दे देते थे। जिससे वे सौंदर्य व आकर्षण का केन्द्र बन जाती थीं। इसी प्रकार, अरविंद गुप्ता, जो कभी पेशे से इंजीनियर थे, अब टायमेकर के नाम से जाने जाते हैं। उन्होंने विज्ञान व गणित के सिद्धांतों को समझाने के लिए खिलौनों का माध्यम बनाया। वे बेकार चीजों से बच्चों को नए–नए खिलौने बनाते हैं। वे साइकिल के पहिए में लगने वाली वाल्व ट्यूब, माचिस की तीली, कचरे में पड़ा वायर या बोतल, वे झाड़ू की सींक जैसे सामानों से खिलौने बनाते हैं। अरविंद गुप्ता की चिंता है कि हमारे देश में बल्कि दुनिया के कई देशों में गरीबी के चलते बच्चे खिलौने खरीद नहीं सकते। जब वे कचरे या बेकार सामान से अपने खिलौने खुद बनाकर खेलते हैं, तो इससे उन्हें बेहद खुशी होती है। भारत में खिलौने बनाने की एक पुरानी परंपरा रही है। परंपरागत खिलौने फेंकी हुई वस्तुओं को दुबारा इस्तेमाल करके बनते हैं, इसलिए वे सस्ते और पर्यावरण मित्र होते हैं। इस संदर्भ में बुद्ध की एक कहानी बहुत ही प्रासंगिक है, जो इस कुछ इस प्रकार हैरू– एक दिन बुद्ध अपने मठ में मठवासियों के साथ बैठे बातें कर रहे थे। तभी एक भिक्षु ने नए अंगरखे के लिए इच्छा जताई। बुद्ध ने पूछा– तुम्हारे पुराने अंगरखे का क्या हुआ? –श्वह बहुत फटा व पुराना हो गया है। इसलिए मैं उसे अब चादर के रूप में इस्तेमाल कर रहा हूं।श बुद्ध ने फिर पूछा– पर तुम्हारी पुरानी चादर का क्या हुआ? –श्गुरुजी, वह चादर पुरानी हो गई थी, वह इधर–उधर से फट गई थी, इसलिए मैंने उसे फाड़कर तकिया का खोल बना लिया।श भिक्षु ने कहा। –बेशक तुमने तकिया का नया खोल बना लिया, लेकिन तुम ने तकिया के पुराने खोल का क्या किया? बुद्ध ने पूछा– श्गुरुजी, तकिये का गिलाफ सिर से घिस–घिस कर फट गया था

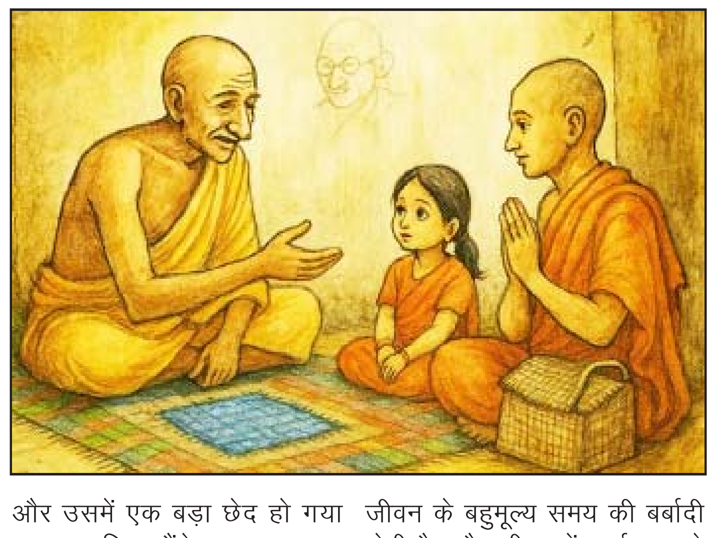

और उसमें एक बड़ा छेद हो गया था। इसलिए मैंने पायदान बना लिया।श बुद्ध हर चीज की गहराई से तहकीकात करते थे। उस जवाब से भी वे संतुष्ट नहीं हुए। श्गुरुजी, पायदान भी पैर रगड़ते–रगड़ते फट गया। एकदम तार–तार हो गया। तब मैंने उसके रेशे इकट्ठे करके उनकी एक बाती बनाई। फिर उस बाती को तेल के दीये में डाल कर जलाया।श भिक्षु की बात सुन कर बुद्ध मुस्कराए। फिर उस सुपात्र को बुद्ध ने एक नया गरम अंगरखा दिया। यह कहानी आज भी प्रासंगिक है क्योंकि उपभोक्तावादी संस्कृति इस्तेमाल करो और फेंको (यूज–एंड–थ्रो) की संस्कृति को बढ़ावा देती है जिससे चीजों के प्रति अथाह चाह जगती है और पैसों की और जीवन के बहुमूल्य समय की बर्बादी होती है। और जीवन में सार्थक करने की बजाय चीजों को बटोरने में जिंदगियां लग जाती हैं। इसलिए हमें पुरानी अच्छी परंपराओं से सीख लेनी चाहिए। चाहे हमारे बुजुर्ग हों, पुरखे हो, गांधी हो, बुद्ध हो, वे बाहर किताबों में नहीं हैं। अगर हमें उनकी कोई चीज, व्यवहार व आदतें अच्छी लगती हैं, तो उन्हें अपनाना चाहिए। कोई भी अच्छा विचार, परंपरा कहने की चीज नहीं है, बरतने की चीज है। पिछले साल इन्हीं दिनों में अहमदाबाद में साबरमती गांधी आश्रम गया था। वहां गांधी का एक संदेश लिखा था, मेरा जीवन ही मेरा संदेश है। अगर हम किसी परंपरा व विचार से सहमत हैं तो उसे अपनाना चाहिए। क्या हम इस दिशा में आगे बढ़ना चाहेंगे।

सबसे साधारण काम सोचना सबसे विद्रोही कदम

श्रुति व्यास

कभी समय था जब सियासी असहमति का मतलब बहसबाजी थी। तथ्य तौलने के लिए रखे जाते थे। तब तर्कों की कसौटी होती थी, और गर्मागर्म बहस में भी सामने वाले की सोच के प्रति सम्मान होता था। वह समय अब मानों प्रागैतिहासिक काल है। ईमानदारी से सोचना भी अब दुश्मन बनाना है। असहमति मानो युद्ध की घोषणा हो। और यदि कोई व्यक्ति बारिक मनोभाव में बात रखे, न्यूआंस दिखाए तो वह हर पक्ष की नजरों में तुरंत संदिग्ध बन जाता है। मतलब यह कि विचारों की कोई यदि अलग–अलग परतदार दृष्टि रखे तो वह अजनबी हो जाएगा। इसलिए राजनीतिक पहचान में अब या तो काला है या सफेद। जो लिखना या कहना है वह शुद्ध, साफ और दो टूक ढंग से होना चाहिए। इससे सभी तरफ अजीब सा नजारा है। खासकर उन लोगों के लिए जो अब समझ से बाहर है। जिन्हें आप कभी विवेकशील मानते थे। आप यदि कोई संतुलित बात कहते हैं तो वह श्छिपे धोखेश की तरह पढ़ी जाती है। आप किसी विरोधाभास की ओर संकेत करते हैं, तो आपको खेमे बदलने का आरोपी बना दिया जाता है। यह वह मसला है जो धीरे–धीरे थका देता है, जब तक कि आप कम बोलने नहीं लगतेश्कुछ डर से नहीं, बल्कि इसलिए कि बातचीत ही बेमतलब हो जाती है। तभी अब संवाद नहीं, दिखावा हैं। तर्क नहीं, भूमिकाएं हैं, ।

एक पक्ष चाहता है आप ऐसा सोचें। और दूसरे खेमे से वही पुरानी बातेंश् यह सब चुनाव आयोग का खेल है। महिलाओं के खातों में पैसे डाल दिए। सब धांधली हैश् एक दिन सच सामने आएगा।

हां, एक दिन सब देखेंगेश्कुछ उस नाटकीय, सत्य–उजागर करने वाले अंदाज में नहीं। जो हम देखेंगे वह कहीं ज्यादा साधारण और ज्यादा दुखद होगा। देखेंगे कि जब हर कोई अपने–अपने पक्ष की भविष्य की जीत का अनुमान लगाने में व्यस्त था, तब वर्तमान चुपचाप और बेरहम होता चला गया। सो एक दिन कोई रहस्योद्घाटन नहीं, बल्कि आत्म–चिंतन की जगह चुना हुआ एक छलावा, बहाना है।

इसके बावजूद श्क्या हो सकता थाश की लगातार बौछार जारी रहती है। हर हार साजिश में बदल जाती हैश् हर जीत अवैध घोषित। विपक्ष के प्रदर्शन का विश्लेषण करने के बजाय उसे एक स्थायी पीड़ित कथा में बदल दिया जाता हैश्कुछ ऐसी दुनिया का शिकार जहाँ सब कुछ उसके खिलाफ श्फिक्स्ड है। और तब तर्क अचानक दुश्मनी बनाते हैं इसलिए कि वे तयशुदा कथा में फिट नहीं बैठते।

और इसी शोर के बीच कुछ बदलने लगता है। कुछ आवाजेंश्कुछ मीडिया, अनपेक्षित एक स्वीकारोक्ति। यह कि मोदी अब भी एक मजबूत राजनीतिक शक्ति हैं। स्वीकारोक्ति कि वैश्विक मंच पर भारत की चमक बढ़ी है। स्वीकारोक्ति कि फिलहाल कोई विपक्षी नेता उनसे टक्कर नहीं ले पाता। स्वीकारोक्ति कि भाजपा का संगठनात्मक विस्तार और सांस्कृतिक पकड़ उसके किसी प्रतिद्वंद्वी से कहीं आगे है। और फिर यह दबी हुई मान्यता कि अगले दशक तक भाजपा शायद अडिग रहे। यह स्वीकारोक्ति है, नई प्रशंसा है, या थकान, निराशा की अभिव्यक्ति? अब सुनने में आता है कि जो लोग कभी अपने को निष्पक्ष मानते थे, वही अब उसी स्वीकृत सूची को दोहरा रहे हैंश् आयोग, ट्रांसफर, धांधली, अनिवार्यता। वे सोचते हैं कि वे कथा का प्रतिरोध कर रहे हैं, जबकि प्रतिरोध भी अब एक तयशुदा ढांचे में हो रहा हैश्एक जैसी भाषा, एक जैसे वाक्य, मानो असहमति का भी एक मैनुअल हो गया हो।

यहीं से नई रूढ़ियाँ जन्म लेती हैं। सेंसरशिप से नहींश्कुछदोहराव से। रोम को सीनेट को चुप कराने के लिए सम्राटों की जरूरत नहीं थीय सीनेट ने खुद सम्राटों की तरह बोलना सीख लिया। सोवियत राज्य ने वफादारी पैदा नहीं कीय उसने अलग सुनाई देने के डर को पैदा किया। और भारत ने यह पहले भी देखा हैश्आपातकाल के बाद, जब इंदिरा की आलोचना जोखिमपूर्ण लगती थीय राजीव के शुरुआती वर्षों में, जब उनकी आलोचना को बेवफाई माना जाता था। सो हर खास वक्त, युग अपनी स्वीकार्य असहमति के टेम्पलेट गढ़ लेता है। और शायद हमारा टेम्पलेट आज बाहर से आयात है। जैसे भारत के मौजूदा समय को एंटी–वोक क्षण कहने का आग्रहश्कुछ एक शब्द जो अमेरिकी सांस्कृतिक युद्धों से यहाँ उतर आया है। लेकिन भारत में अमेरिकी वोकनेस जैसा कुछ नहीं हैय हम सर्वनामों, लैटिनक्स या क्रिटिकल रेस थ्योरी पर नहीं लड़ते। हमारे यहाँ जो है वह अधीरता हैश्कुअभिजात उपदेशों से, उन प्रगतिवादियों से जिनकी भाषा अधिकांश भारतीयों को परायी लगती है, उन लोगों से जो स्थानीय वास्तविकता से ज्यादा वैश्विक सहीपन में जीते हैं। इसे एंटी–वोक कहना भारतीय बेचैनी पर अमेरिकी फ्रेम थोपना है। हमारा संघर्ष पहचान का नहीं, दूरी का है।

इसीलिए यह क्षण विद्रोह जैसा नहीं, बल्कि एक नई रूढ़ि के उभार जैसा लगता हैश्कुजहाँ सत्ता–विरोध भी केवल एक स्वीकृत अंदाज में ही किया जा सकता है। जहाँ आलोचना पैक होकर आती है। जहाँ असहमति अब स्वतंत्र सोच नहीं, बल्कि क्यूरेटेड परफॉर्मेंस बन गई है।

और शायद यही इस दौर की सबसे विचित्र बात हैश्कुजो लोग सत्ता के प्रतिरोध का दावा करते हैं, वे अब एक–दूसरे की तरह सुनाई देने लगे हैं। इसलिए नहीं कि वे सही हैं, बल्कि इसलिए कि अनुरूपता ने बस दायरा बदल लिया है। और शायद इसी वजह से सबसे साधारण कामश्कुसोचनाश्कुसबसे विद्रोही कदम बन गया है।

हम बहस के ढहने से शुरू हुए थे और पहुँच गए हैं उस समय में जहाँ तर्क पहले से चबाकर परोसे जाते हैं और राय पहले से मंजूरशुदा होनी चाहिए। त्रासदी यह नहीं कि लोग चिल्लाते हैंय त्रासदी यह है कि वे रटी हुई पंक्तियाँ चिल्लाते हैं। एक ओर के आरोप और दूसरी ओर की साजिशों के बीच, स्वतंत्र सोच के लिए जगह एक पतली दरार तक सिकुड़ गई है। और उसी दरार में हमारे समय की असल कहानी छिपी हैश्कुउन लोगों का शांत अलगाव जो किसी स्क्रिप्ट को मानने से इंकार करते हैं। उन बातचीतों में अजनबी बन जाने का अहसास जिनसे आप कभी जुड़े थे। इसलिए नहीं कि आप बदले, बल्कि इसलिए कि सोच बदल गई।

मंजूनाथ पर रोमांचक जीत से श्रीकांत फाइनल में

लखनऊ, (संवाददाता)। पांचवीं वरीयता प्राप्त किदांबी श्रीकांत ने हमवतन मिथुन मंजूनाथ को कड़े मुकाबले में 21–15, 19–21, 21–13 से हराते हुए सैयद मोदी इंडिया इंटरनेशनल एचएसबीसी वर्ल्ड टूर सुपर 300 बैडमिंटन चौंपियनशिप के पुरुष एकल फाइनल में प्रवेश किया। प्रतियोगिता के महिला युगल में शीर्ष वरीय त्रिशा जॉली व गायत्री गोपीचंद की भारतीय जोड़ी खिताबी मुकाबले में प्रवेश करने में सफल रही, जबकि महिला एकल में शीर्ष वरीय उन्नति हुड्डा और युवा तन्वी शर्मा की चुनौती टूट गई। इसके अलावा मिश्रित युगल में भारत के हरिहरन और त्रिशा जॉली को भी हार का सामना करना पड़ा। यूपी बैडमिंटन अकादमी में खेली जा रही प्रतियोगिता के एकल सेमीफाइनल में श्रीकांत ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया और पहला गेम 21–15 से अपने नाम किया। मंजूनाथ ने दूसरा गेम 21–19 से जीतकर वापसी की। तीसरे और निर्णायक गेम की शुरुआत से ही श्रीकांत ने कोर्ट को बेहतर ढंग से कवर करते हुए दमदार खेल का प्रदर्शन किया, जिसका मंजूनाथ के पास कोई जवाब नहीं था। अंत में 21–13 से स्कोर से मुकाबला जीतते हुए श्रीकांत ने खिताब की ओर कदम बढ़ाए। श्रीकांत का यह सैयद मोदी बैडमिंटन चौंपियनशिप में चौथा फाइनल होगा। इसमें एक में जीत (वर्ष 2016) और दो में हार (वर्ष 2014 व 2015) मिली है। रविवार को होने वाले फाइनल मुकाबले में भारतीय शटलर का सामना हांगकांग के जेसन गुनावन से होगा, जो प्रतिद्वंद्वी जापान के मिनोरू कोगा के चोटिल होने के बाद बीच मैच छोड़ने से फाइनल में पहुंच गए हैं। कोगा ने तीसरे गेम में 0–11 से पिछड़ने के बाद मैच छोड़ दिया। महिला युगल में भारत की शीर्ष वरीय जोड़ी त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद ने सेमीफाइनल में बेहतर तालमेल का प्रदर्शन करते हुए मलयेशिया की सातवीं वरीय मलयेशिया की ओंग शिन यी और कारमेन तिंग को 21–11, 21–15 से हराया। भारतीय जोड़ी ने चढ़कर खेला और प्रतिद्वंद्वी टीम को मौका नहीं दिया। फाइनल में भारतीय जोड़ी की भिड़ंत सातवीं वरीय थाईलैंड की पक्कापोन व सप्सिरी तेरत्तनाचाईन से होगी, जिसने दूसरे सेमीफाइनल में चौथी वरीय इंडोनेशिया के मरवान फाजा व ऐस्युह सलसबीला को 21–10, 21–12 से पराजित किया। प्रतियोगिता के महिला एकल में शीर्ष वरीय उन्नति हुड्डा आशा के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर सकी और चौथी वरीय तुर्किये की नेस्लिहान अरीन के खिलाफ मुकाबला 15–21, 10–21 से गंवा बैठी। पूरे मुकाबले में उन्नति अपनी लय में नहीं दिखी।

यूपी में एसआईआर फॉर्म भरने की तारीख एक सप्ताह बढ़ी, बीएलओ पर पड़ रहा था ज्यादा दबाव

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी में चुनाव आयोग द्वारा करवाए जा रहे एसआईआर अर्थात मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण अभियान में बीएलओ पर पड़ रहे दबाव को देखते हुए एसआईआर कराने की अंतिम तारीख को एक सप्ताह बढ़ा दिया गया है। अब एसआईआर फॉर्म भरने की अंतिम तारीख 11 दिसंबर हो गई है। एसआईआर की डेडलाइन एक सप्ताह बढ़ाए जाने के बाद अब मतदाता सूची के ड्राफ्ट रोल का प्रकाशन 9 दिसंबर के बजाय 16 दिसंबर को होगा और अंतिम मतदाता सूची 7 फरवरी की जगह 14 फरवरी को आएगी। बता दें कि कई जिलों के बीएलओ ने काम के दबाव की शिकायत की थी और कई कर्मचारियों की मौत भी हो गई थी। इसके पहले यूपी के मुरादाबाद में 46 वर्षीय सर्वेश सिंह ने आत्महत्या कर ली। पुलिस और परिजनों को मौके से सुसाइड नोट मिला है। सर्वेश सिंह भगतपुर टांडा ब्लॉक के जाहिदपुर सीकमपुर गांव स्थित कंपोजिट विद्यालय में सहायक अध्यापक के पद पर तैनात थे। उन्होंने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को भी पत्र लिखा है जिसमें उन्होंने बताया कि सात अक्तूबर को उन्हें बीएलओ बनाया गया था। कहा कि एसआईआर का टार्गेट पूरा न होने से बहुत तनाव में हूं। इसलिए आत्महत्या करने के लिए मजबूर हूं। रविवार की सुबह उनका शव घर में ही फंदे पर लटका मिला है। एसपी देहात कुंवर आकाश सिंह ने मामले की जांच की जा रही है।

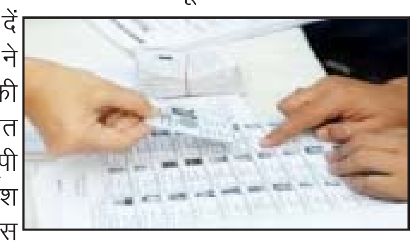

संक्षिप्त खबरें

रोडवेज बस ने बाइक में मारी जोरदार टक्कर, 20 मीटर घिसटी बाइक

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के अंबेडकरनगर में भीषण सड़क हादसा हुआ। इसमें दाउदपुर निवासी रामअजोर (58) और उनकी पत्नी प्रेमा देवी (55) की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ लग गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली। हादसा सम्मनपुर थाना क्षेत्र के कुर्की बाजार के पास संपत लॉन के निकट हुआ। बताया गया कि मृतक रामअजोर दाउदपुर के कोटेदार थे। वह बाइक से पत्नी के साथ अकबरपुरदृबसखारी मार्ग स्थित जायसवाल पेट्रोल पंप से तेल भरवाकर अकबरपुर की ओर मुड़े ही थे कि तभी आजमगढ़ की तरफ से आई तेज रफ्तार रोडवेज बस ने उन्हें टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बस की रफ्तार इतनी अधिक थी कि बाइक करीब 20 मीटर तक घिसटती चली गई। बस का एक पहिया भी अलग होकर बाहर आ गया। जब तक लोगों के कुछ समझ में आता, उससे पहले ही दोनों पति–पत्नी बस के पहिए के नीचे आ चुके थे। सूचना पर पहुंची पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से मशक्कत के बाद दोनों को बाहर निकाला गया। इसके बाद जिला अस्पताल ले जाया गया। वहां जांच के बाद डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बस को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

सांसों की लय, आवाज, देह-भाषा ही बन गई कहानी

लखनऊ, (संवाददाता)। कबीर महोत्सव के दूसरे दिन की आखिरी प्रस्तुति के तौर पर अभिनेत्री और थिएटर कलाकार ज्योति डोगरा के चर्चित एकल नाटक मांस का मंचन हुआ। फिजिकल थिएटर शैली में पेश किए गए इस नाटक में संवाद कम थे, लेकिन शरीर, सांसों की लय, आवाज और देह–भाषा ही कहानी बन गए। ज्योति ने मांस को एक ऐसे शरीर के रूप में पेश किया, जिसे समाज गढ़ता भी है और नियंत्रित भी करता है। स्त्री शरीर पर बोझ, पहचान की तलाश, भय, हिंसा और उम्मीद जैसे सारे आयाम इस नाटक में नजर आए। नाटक के खत्म होने पर सभागार में सन्नाटा पसर गया।

राजस्थान का मुख्य द्वार मॉडल ओवरऑल विजेता

लखनऊ, (संवाददाता)। वृंदावन स्थित डिफेंस एक्सपो ग्राउंड में सात दिवसीय 19वीं राष्ट्रीय जंबूरी में प्रतिभागी स्काउट्स गाइड्स शनिवार को विदा हुए। पुरस्कार वितरण समारोह में राजस्थान की टीम ने ओवरऑल विजेता का खिताब हासिल किया। यह सम्मान उन्हें उनकी संस्कृति, सभ्यता, परिधान, खानपान के साथ राजस्थान राज्य के भव्य मुख्य द्वार मॉडल के आधार पर दिया गया। भारत स्काउट एंड गाइड यूपी के अध्यक्ष डॉ. महेंद्र सिंह बताया कि जंबूरी में शामिल प्रतिभागियों ने शनिवार को चिड़ियाघर में वन्यजीवों को देखा, इमामबाड़ा व रेजीडेंसी के भ्रमण के साथ लखनऊ के व्यंजनों का भी स्वाद लिया गया। स्कूली बच्चों के लिए दो दिन निशुल्क प्रवेश : भारत स्काउट एंड गाइड यूपी के प्रादेशिक मुख्य आयुक्त प्रभात कुमार ने बताया कि डिफेंस एक्सपो ग्रांउड में 19वीं राष्ट्रीय जंबूरी में राजधानी के स्कूली छात्र–छात्राओं को अगले दो दिन निशुल्क प्रवेश मिलेगा। एडवेंचर पार्क भी घूमेंगे।

एसआईआर पर मुख्य निर्वाचन अधिकारी का निर्देश

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने कहा कि जिन मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में एक से अधिक स्थानों पर दर्ज है, वे मौजूदा पते पर ही गणना फॉर्म भरें। उन्होंने मतदाताओं का आह्वान किया कि वे फॉर्म भरकर और नवीनतम फोटो लगाकर जल्दी बीएलओ को उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अब तक 9.41 करोड़ से अधिक (61%) गणना प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन हो चुका है। उन्होंने बताया कि अब तक 5123 बूथों पर शत–प्रतिशत काम पूरा कर लिया गया है। प्रगति के अनुसार निर्धारित अंतिम तिथि 4 दिसंबर तक वितरित गणना प्रपत्रों का संग्रह कर लिया जाएगा। जिला निर्वाचन अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि पात्र मतदाताओं को चिह्नित कर मतदाता सूची में उनका नाम अवश्य दर्ज कराएं।

घुसपैठ कर पहुंची भारत, जाली दस्तावेज बनवाकर रह रही थी

लखनऊ, (संवाददाता)। शासन की सख्ती के बीच प्रदेश में छिपकर रह रहे बांग्लादेशियों के खिलाफ कार्रवाई तेज हो गई है। इसी क्रम में जाली आधार कार्ड बनवाकर राजधानी में रह रही बांग्लादेशी महिला नरगिस अख्तर को एटीएस ने गिरफ्तार किया है। पूछताछ में नरगिस अख्तर ने बताया कि उसके पिता बांग्लादेश के जलोकाटी में रहते हैं। ननिहाल केकसिरा जिले के बबनाना में है। वह कुछ माह पहले घुसपैठ कर भारत की सीमा में दाखिल हुई। इसके बाद लखनऊ पहुंची। लखनऊ में उसकी मुलाकात हरिओम आनंद से हुई। हरिओम ने पैसे खर्च करने पर जाली आधार कार्ड बनवाने की बात कही। इसके बाद महिला ने उसे कुछ पैसे भी दिए। रकम लेने के बाद आरोपी ने नरगिस अख्तर का निर्मला देवी के नाम से आधार कार्ड बनवा दिया। छानबीन में नरगिस के पास से तीन जाली आधार कार्ड मिले हैं। खुफिया एजेंसियां यह पता लगा रही हैं कि नरगिस के साथ और कितने लोग घुसपैठ कर भारत आए हैं। उसके लखनऊ आने को लेकर भी जांच एजेंसियां छानबीन कर रही हैं। नरगिस के कनेक्शन और उसके करीबियों के बारे में पता लगाया जा रहा है। देश में दाखिल होने के बाद वह कहां–कहां गई, इसका ब्योरा भी जुटाया जा रहा है। हाल में ही वजीरगंज पुलिस ने एक बांग्लादेशी को ठगी के मामले में गिरफ्तार किया था। पुलिस अब नरगिस अख्तर से उसका कनेक्शन खंगाल रही है। यह पता लगाया जा रहा है कि नरगिस कहीं उसी के साथ तो लखनऊ नहीं आई थी। नरगिस की मां का नाम लाइजो बेगम है। एटीएस का कहना है कि आरोपियों ने पहचान संबंधी कागजात तैयार किए। इसमें आरोपियों की किन लोगों ने मदद की, इसकी जानकारी जुटाई जा रही है।

प्रीसिजन मेडिसिन यूनिट बचा रही गंभीर मरीजों की जान

लखनऊ, (संवाददाता)। केजीएमयू के क्रिटिकल केयर मेडिसिन विभाग (सीसीएम) के आईसीयू में पिछले एक साल में 1078 मरीज आईसीयू–वेंटिलेटर पर भर्ती किए गए। प्रीसिजन मेडिसिन यूनिट (पीएमयू) से गंभीर मरीजों की जान बचाने में कामयाबी मिल रही है। पिछले साल आईसीयू में मरीजों की मृत्युदर करीब 26 प्रतिशत थी। इसमें करीब आठ प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। मौजूदा समय में मृत्युदर 18 फीसदी बची है। देश में आईसीयू–वेंटिलेटर पर मृत्युदर 23 प्रतिशत है। यह जानकारी केजीएमयू क्रिटिकल केयर मेडिसिन विभाग के अध्यक्ष डॉ. अविनाश अग्रवाल ने दी। शनिवार को केजीएमयू में क्रिटिकल केयर मेडिसिन विभाग ने 9वां स्थापना दिवस समारोह मनाया गया। डॉ. शांतनु प्रकाश ने कहा कि प्रिसिजन मेडिसिन यूनिट के कई फायदे हैं, जिनमें व्यक्तिगत इलाज की योजनाएं शामिल हैं। जो आनुवंशिकी, जीवनशैली और पर्यावरण के आधार पर तय की जाती हैं। इससे दवाओं के बेहतर परिणाम, कम दुष्प्रभाव और स्वास्थ्य देखभाल की लागत में कमी आती है। कुलपति डॉ. सोनिया नित्यानंद ने कहा कि प्रिसिजन मेडिसिन यूनिट से प्रत्येक मरीज की विशिष्ट आनुवंशिक प्रोफाइल के आधार पर इलाज की योजनाएं बनाई जाती हैं, जिससे इलाज अधिक प्रभावी होता है। इससे मरीज को सबसे प्रभावी दवा मिलती हैं। प्रतिकूल दवा प्रतिक्रियाओं का जोखिम कम होता है। प्रिसिजन मेडिसिन को सिर्फ लखनऊ तक सीमित नहीं रखा जाना चाहिए। हमें नए मेडिकल कॉलेजों और जिला अस्पतालों को व्यवस्थित रूप से प्रशिक्षित और मार्गदर्शन देना चाहिए। कार्यक्रम में डॉ. सौमित्र मिश्रा, डॉ. सुलेखा सक्सेना, डॉ. सुहैल एस सिद्दीकी, डॉ. सैयद नबील मुजफ्फर, डॉ. अर्मिन अहमद, डॉ. वीआर श्रीवत्स, डॉ. त्रिमिर्तुलु, चेन्नई के श्री रामचंद्र इंस्टीट्यूट ऑफ हायर एजुकेशन एंड रिसर्च के डॉ. राम ई राजगोपालन, मणिपाल हॉस्पिटल, बेंगलुरु रेजिडेंट्स, नर्सों और पैरामेडिकल स्टाफ ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

संक्षिप्त खबरें

खादी महोत्सव ने बढ़ाई कुम्हारों की आमदनी

लखनऊ, (संवाददाता)। गोमतीनगर स्थित केंद्रीय संस्कृत विवि में चल रही दस दिवसीय खादी प्रदर्शनी में मिट्टी के सजावटी सामान व अन्य उत्पाद बेचने वाले कुम्हारों को भी लाभ मिल रहा है। उनका कहना है कि यहां से उन्हें तीन गुना तक आमदनी हो रही है। नौवें दिन शनिवार को भी प्रदर्शनी में खूब चहल–पहल रही। खादी के कपड़े व अन्य स्वदेशी उत्पादों के साथ लोगों ने मिट्टी के बर्तन व अन्य सजावटी सामान भी खूब खरीदे। बाराबंकी से आए कुम्हार प्रेमचंद ने बताया कि वह मूलरूप से हसनपुर टांडा के रहने वाले हैं, वहीं से काम करते हैं। एक दुकान बंगला बाजार में भी है। कहा कि प्रदर्शनी में उन्हें तीन गुना तक अधिक आमदनी हुई है। दुकान पर जितने उत्पादों से उन्हें तीन से चार हजार रुपये की आमदनी होती थी, यहां पर उसी से 12–14 हजार रुपये कमा रहे हैं। बताया कि माटी कला बोर्ड से हम कुम्हारों को बिजली चालित चाक के साथ मिट्टी छानने वाली मशीन भी मिली है जिससे हमारा काम आसान हो गया है। प्रदर्शनी में फूलदान, गमले, अचारदानी, तुलसी पौध, बोनसाई गमले, छोटे खिलौने, हाथी घोड़ा की आकृतियां खूब बिक रही हैं।

महिला प्रोफेसर ने विभाग के डॉक्टर पर अभद्रता व उत्पीड़न का लगाया आरोप

लखनऊ, (संवाददाता)। केजीएमयू में वरिष्ठ महिला प्रोफेसर ने विभाग के ही एक पुरुष डॉक्टर पर अभद्रता व उत्पीड़न का आरोप लगाया है। महिला आयोग में शिकायत के बाद केजीएमयू प्रशासन ने सात सदस्यीय विशाखा कमेटी को जांच के निर्देश दिए हैं। 27 नवंबर को विशाखा कमेटी की पहली बैठक में पीड़िता प्रोफेसर, आरोपी डॉक्टर के साथ अन्य अधिकारियों को चीफ प्रॉक्टर कार्यालय बुलाया गया था। सभी के बयान दर्ज किए गए। पीड़ित प्रोफेसर ने राज्य महिला आयोग को आठ नवंबर को पत्र लिखा था। इसमें पीड़िता ने 17 अक्तूबर को विभागीय परचेज कमेटी की बैठक का जिक्र किया है। आरोप हैं कि बैठक के बाद डॉक्टर ने उनका उत्पीड़न किया। रास्ते में जबरदस्ती रोकने का भी आरोप लगाया है। पीड़िता ने केजीएमयू शिक्षक संघ के पदाधिकारियों को प्रकरण की जानकारी दी। आरोपी लगातार उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहा है। केजीएमयू प्रशासन से शिकायत पर सुनवाई नहीं हुई थी। कमेटी की अध्यक्ष डॉ. मोनिका कोहली, चीफ प्रॉक्टर, आरएएस कुशवाहा, सदस्य डॉ. रेखा सचान, डॉ. सुजाता देव, डॉ. मनीष वाजपेई, डॉ. मौसमी सिंह व एनजीओ की प्रतिनिधि को बुलाया गया।

10 साल पुराने घूसकांड में बिजली कर्मचारी बर्खास्त

लखनऊ, (संवाददाता)। अमीनाबाद खंडीय कार्यालय में दस वर्ष पहले तैनाती के दौरान सहकर्मी से घूस लेते पकड़े गए कार्यकारी सहायक संजीव कुमार यादव को चार साल की सजा और पांच हजार रुपये के जुर्माने के बाद विभाग से बर्खास्त कर दिया गया है। मामले में संजीव लंबे समय तक निलंबित भी रहा और वर्तमान में जेल में है। लखनऊ मध्य जोन के तहत चौक सर्किल के अधीक्षण अभियंता कमलेश कुमार चौधरी की ओर से बर्खास्तगी का आदेश शनिवार को जारी किया गया। विभाग के अनुसार 29 मार्च 2025 से संजीव बिना सूचना ड्यूटी से गैरहाजिर चल रहा था। परिजनों से जानकारी मिली।

आगरा के शिक्षक और छात्र ने जीता गोल्ड और सिल्वर

लखनऊ, (संवाददाता)। वर्ल्ड पावरलिफ्टिंग चौंपियनशिप 2025 की शुरुआत देश के लिए गर्व का क्षण रही। शुक्रवार को आयोजित इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में आगरा के जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय, इटौरा के व्यायाम शिक्षक हरीश चंद्र ने 77 किग्रा भार वर्ग में गोल्ड और कक्षा 11 के छात्र रमन कुमार ने 56 किग्रा भार वर्ग में सिल्वर जीतकर देश का मान बढ़ाया। दोनों की इस ऐतिहासिक सफलता ने प्रदेश सहित पूरे देश को गर्व से भर दिया ।समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित सर्वोदय विद्यालय, इटौरा लगातार खिलाड़ियों की प्रतिभा निखारने में आगे रहा है। विद्यालय द्वारा तैयार किए गए ये दोनों खिलाड़ी 26 नवंबर को कोलंबो के लिए रवाना हुए थे, जहाँ 40 से अधिक देशों के खिलाड़ी इस प्रतियोगिता में हिस्सा ले रहे हैं ।दोनों खिलाड़ियों का चयन हाल ही में गुजरात में आयोजित राष्ट्रीय पावरलिफ्टिंग प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर हुआ था। रमन कुमार ने मैसाना में सब–जूनियर 56 किग्रा वर्ग में गोल्ड जीता था, जबकि हरीश चंद्र ने सूरत में सीनियर 77 किग्रा वर्ग में गोल्ड के साथ डेडलिफ्ट में राष्ट्रीय रेकॉर्ड भी बनाया था ।समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने दोनों खिलाड़ियों की उपलब्धि पर बधाई दी और कहा कि कोलंबो में मिली यह ऐतिहासिक उपलब्धि पूरे प्रदेश और देश के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि सर्वोदय विद्यालय, इटौरा के छात्र और शिक्षक ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर जो प्रदर्शन किया है, वह आने वाले खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा बनेगा।

योग्य प्रशिक्षण और रोजगार उपलब्ध कराने के लिए राज्य के कौशल विकास मिशन में निरंतर प्रयास

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री कपिल देव अग्रवाल ने उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन मुख्यालय अलीगंज में विभागीय कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने कहा कि योगी सरकार युवाओं को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण और बेहतर रोजगार उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयासरत है। बैठक में उन्होंने निर्देश दिए कि प्रदेश के सभी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों और प्रशिक्षण केंद्रों की वास्तविक समय आधारित निगरानी सुनिश्चित की जाए। प्रशिक्षण की गुणवत्ता और प्रशिक्षकों की उपस्थिति पर विशेष ध्यान दिया जाए, उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले संस्थानों को प्रोत्साहित किया जाए और कमजोर प्रदर्शन वाले संस्थानों से लिखित स्पष्टीकरण लिया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि उद्योगों की मांग और युवाओं की रुचि के अनुरूप नए व्यवसाय आरंभ किए जाएं और स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार क्षेत्रों का उन्नयन किया जाए, ताकि युवाओं को उनके जनपद में ही बेहतर रोजगार के अवसर मिल सकें ।बैठक में आईटीओटी लखनऊ और सुल्तानपुर के प्रशिक्षण आंकड़े प्रस्तुत किए गए, जिसमें बताया गया कि प्रशिक्षण सत्र 2015–16 से 2024–25 तक कुल 3181 प्रशिक्षार्थियों में से 3064 ने सी–आई–टी–एस परीक्षा सफलतापूर्वक उत्तीर्ण की है। संस्थान में राज्य के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के प्रधानाचार्यों, अनुदेशकों और कर्मचारियों के प्रशिक्षण की भी प्रभावी व्यवस्था की गई है ।समीक्षा में दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना की प्रगति भी प्रस्तुत की गई, जिसके अनुसार अब तक लगभग 2.59 लाख युवाओं को प्रशिक्षण, 2.33 लाख का मूल्यांकन और 1.52 लाख को रोजगार उपलब्ध कराया जा चुका है। योजना के नए चरण के लिए प्रशिक्षण सहयोगियों के आवेदन प्राप्त हो रहे हैं और चयन प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है। प्रोजेक्ट प्रवीण योजना के अंतर्गत पिछले तीन वर्षों में विद्यालयों की संख्या और नामांकन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इस वर्ष के 62,326 के लक्ष्य के सापेक्ष लगभग 23,000 बच्चों का नामांकन पूरा हो चुका है और एडिट विद्यालयों को भी योजना में शामिल किया गया है ।कौशल प्रतियोगिताओं में प्रदेश के उत्कृष्ट प्रदर्शन का उल्लेख करते हुए बताया गया कि इंडिया स्किल्स प्रतियोगिता 2025 के लिए प्रदेश में 1,09,249 अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया है, जो देश में सर्वाधिक संख्या है। जनपद स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन पूर्ण हो चुका है और मंडल स्तरीय प्रतियोगिताएं 1 से 10 दिसंबर के मध्य आयोजित होंगी, जबकि राज्य स्तरीय प्रतियोगिताएं 20 दिसंबर से 20 जनवरी के बीच पूरी की जाएंगी। मंत्री अग्रवाल ने सभी प्रतियोगिताओं का संचालन पूर्ण पारदर्शिता, उच्च गुणवत्ता और निष्पक्षता के साथ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि प्रदेश के प्रतिभाशाली युवा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकें ।प्रशिक्षकों की क्षमता वृद्धि के लिए कौशल विकास नेटवर्क के साथ समझौता ज्ञापन के अंतर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ किए गए हैं। सहारनपुर मंडल के 23 प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण राजकीय आईटीआई मुजफ्फरनगर में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इसी प्रकार लखनऊ, अयोध्या, बस्ती सहित अन्य मंडलों में भी प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रस्तावित हैं। प्रशिक्षण की गुणवत्ता को और मजबूत करने के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की और मलवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान जयपुर को नॉलेज पार्टनर बनाया गया है ।

31वाँ राष्ट्रीय अभिभावक सम्मेलन 2025 बौद्धिक दिव्यांगजन के नेतृत्व और समावेशन पर जोर

लखनऊ, (संवाददाता)। डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय संस्थान बौद्धिक दिव्यांगजन सशक्तिकरण द्वारा आयोजित 31वें राष्ट्रीय अभिभावक सम्मेलन 2025 का भव्य शुभारम्भ शनिवार को हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन के साथ कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत, उत्तर प्रदेश पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण राज्यमंत्री नरेंद्र कश्यप और मुख्यमंत्री सलाहकार अवनीश कुमार अवस्थी की उपस्थिति में हुई ।राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने कहा कि बौद्धिक दिव्यांग बच्चों के समग्र कल्याण की जिम्मेदारी समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने अभिभावकों को गार्जियनशिप संबंधी प्रक्रियाओं में सहयोग उपलब्ध कराने पर जोर दिया और परिवार संगठन द्वारा पिछले 30 वर्षों में किए गए कार्यों को सराहा ।राज्यमंत्री नरेंद्र कश्यप ने कहा कि राज्य सरकार बौद्धिक दिव्यांग बच्चों की शिक्षा, प्रशिक्षण और पुनर्वास के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने बताया कि योजनाओं और नीतियों को जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू किया जा रहा है, जिससे प्रत्येक पात्र दिव्यांगजन लाभान्वित हो रहा है। मुख्यमंत्री सलाहकार अवनीश अवस्थी ने समाज के सभी वर्गों से आह्वान किया कि वे बौद्धिक दिव्यांगजन को अवसर प्रदान कर समाज की मुख्यधारा में शामिल करने की दिशा में सक्रिय भूमिका निभाएँ ।कार्यक्रम में पैरिवार की वार्षिक रिपोर्ट 2024–25 का विमोचन और सौम्या उपाध्याय 'तताई' की पुस्तक का लोकार्पण किया गया। इसके साथ ही पैरिवार राष्ट्रीय पुरस्कार 2025 प्रदान किए गए, जिनमें रोशनी सोसायटी हल्द्वानी, परिवार पलक्कड़ और मेसेनी पोंग पोंगें को सम्मानित किया गया।

?स्पेशल ओलंपिक्स वर्ल्ड गेम्स में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले आठ बौद्धिक दिव्यांग पैराअथलीटों को भी सम्मानित किया गया ।सम्मेलन के दो दिवसीय कार्यक्रम में कुल 11 तकनीकी सत्र, 4 पैनल चर्चाएँ और एक सांस्कृतिक संध्या आयोजित की जाएँगी। इस सम्मेलन का उद्देश्य अभिभावकों, विशेषज्ञों, विश्वविद्यालयों, सरकारी संस्थानों और नीति–निर्माताओं को एक साझा मंच उपलब्ध कराना है, जिससे बौद्धिक दिव्यांगजन के नेतृत्व निर्माण, समावेशन, अधिकारों, भविष्य की सुरक्षा और नीति–निर्माण पर राष्ट्रीय स्तर पर संवाद स्थापित हो सके। सम्मेलन का समापन 30 नवम्बर को खुला मंच चर्चा के साथ होगा, जिसमें आगामी वर्ष के लिए सामूहिक कार्ययोजना और सुझाव प्रस्तुत किए जाएंगे ।कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. सुदीप गोयल ने किया और आभार प्रकट करते हुए समापन टिप्पणी यू.पी. पेरेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रो. सुभोध शंकर ने दी। सम्मेलन पैरिवार – नेशनल कॉन्फेडरेशन ऑफ पेरेंट्स ऑर्गेनाइजेशंस के सहयोग से तथा डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय और यू.पी. पेरेंट्स एसोसिएशन के संयुक्त संयोजन में आयोजित किया गया ।केंद्रीय विषय "समावेशी एवं सतत भविष्य के लिए नेतृत्व का संवर्द्धन" रखा गया, जिसमें देश के 25 राज्यों से 350 से अधिक अभिभावकों, विशेषज्ञों, संस्थानों, एनजीओ और स्वयं–प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। इस अवसर पर मेजर बी. वी. रामकुमार, निदेशक छप्म्च्प्क् सिकंदराबाद, राज्य दिव्यांगजन आयुक्त प्रो. हिमांशु शेखर झा और डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय के कुलसचिव रोहित सिंह उपस्थित रहे।

मेडिकल कालेज जौनपुर में वार्षिक उत्सव का भव्य शुभारंभ

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर में आज बड़े ही हर्षोल्लास और उत्साह के साथ वार्षिक उत्सव का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि मंत्री गिरीश चन्द्र यादव ने दीप प्रज्जवलित कर किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में एम०एल०सी० बृजेश सिंह प्रिंशु, जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति तथा विधायक मड़ियाहूँ, डा० आर० के० पटेल जी भी उपस्थित रहे। मेडिकल कालेज के प्रधानाचार्य प्रो० आर०बी० कमल ने माननीय मंत्री को कॉलेज की शैक्षणिक स्वास्थ्य सेवाओं एवं अवसंरचनात्मक गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कॉलेज में शिक्षण, शोध तथा स्वास्थ्य सुविधाओं को उच्च मानकों के अनुरूप विकसित किया जा रहा है, ताकि छात्रों एवं रोगियों दोनों को सर्वोत्तम वातावरण उपलब्ध हो सके। कालेज प्रशासन पूर्ण समर्पण के साथ जौनपुर मेडिकल कॉलेज को प्रदेश के उत्कृष्ट चिकित्सा संस्थानों की श्रेणी में स्थापित करने हेतु कार्यरत है। हमारे सभी विभाग आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किए जा रहे हैं और हम गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा शिक्षा देने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे हैं। हमारी प्राथमिकता है कि जल्द से जल्द मेडिकल कॉलेज में आईपीडी सेवओं का शुभारंभ कर दिया जाए, जिससे क्षेत्र की जनता को समय पर एवं उच्चस्तरीय स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध हो सकें। इसका खाका तैयार कर लिया गया है और शेष व्यवस्थाओं को शीघ्र ही पूर्ण किया जाएगा।ष जबकि वर्तमान में मेरे यहाँ इमरजेंसी सुविधा उलब्ध हैं जिसमें लगभग 20 मरीजों को भर्ती करके इलाज किया जा रहा है अभी तक हम सभी मरीज को यही ठीक करके घर भेज चुके है, किसी को उच्च सेन्टर में इलाज के लिन रेफर नहीं किया गया है। इसके साथ ही उन्होंने चिकित्सा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने, डाक्टरों व स्टाफ की उपलब्धता बढ़ाने तथा उपकरणों व आवश्यक मशीनरी को व्यवस्थित तरीके से स्थापित करने की संकल्प भी व्यक्त किया। उन्होंने आश्वस्त किया कि हम यह सुनिश्चित करेंगे कि मेडिकल कॉलेज न केवल शिक्षा के क्षेत्र में बल्कि चिकित्सा सेवाओं में भी उत्कृटता का केंद्र बने। इसके लिए प्रशासन, शासन और जनप्रतिनिधियों से प्राप्त सहयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है। अपने उध्द्बोधन के अंत में प्रो० कमल ने मंत्री एवं उपस्थित सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया तथा कहा कि उनके समर्थन से मेडिकल कॉलेज की प्रगति में और तेज होगी। प्रधानाचार्य ने यह भी बताया कि यह कार्यक्रम आज से प्रारम्भ होकर 6 दिसम्बर तक लगातार विभिन्न खेल प्रतियोगिता एवं सास्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से संपन्न होगी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि मंत्री गिरीश चंन्द्र यादव ने योगी सरकार एवं केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का विस्तृत उल्लेख किया उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेज जौनपुर के सुचारू संचालन के लिए वे निरंतर प्रयासरत हैं। मंत्री ने बताया कि जब से मेडिकल कॉलेज की नींव रखी गई है, तभी से मेरा संकल्प रहा है कि यह संस्थान जल्द से जल्द पूर्ण रूप से संचालित होकर जनता को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करें। मेरा प्रयास है कि क्षेत्र के लोगों को इलाज के लिए दूरदराज न जाना पड़े और उन्हें यही उच्चस्तीय चिकित्सा सुविधाएँ उपलब्ध हों। उन्होंने आगे कहा कि मेडिकल कालेज को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित करने और सभी विभागों को पूर्ण क्षमता के साथ संचालित कराने हेतु सराकर की ओर से हर सम्भव सहायता प्रदान की जाएगी। माननीय मंत्री ने कालेज के प्रधानाचार्य को आश्वासन दिया कि ष्कालेज के विकास और आईपीडी सहित सभी व्यवसस्थाओं सुचारू रूप से प्रारंभ कराने में हमारा संपूर्ण सहयोग हमेशा रहेगा।ष्इससे पहले राज्य मंत्री गिरीश चन्द्र यादव एवं एम०एल०सी० बृजेश सिह प्रिंशु द्वारा फीता काटकर एवं गुब्बारे को हवा में छोड़कर तथा स्वयं किकेट खेकर कर प्रथम दिन के खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का संचालन नोडल अधिकारी डा० मुदित चौहान एवं डा० पूजा पाठक द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक प्रो० ए०ए० जाफरी, डीन रिसर्च प्रो० रुचिरा सेठी, डीन एकेडमिक प्रो० तबस्सुम याशमीन, स्पोर्ट कमेटी अध्यक्ष, प्रो० उमेश कुमार सरोज, प्रो० भारती यादव, डा० साधना अजय, डा० अरविन्द पटेल, डा० आदर्श कुमार यादव, डा० सी०बी०एस० कर्नल पटेल, डा० अनुज सिंह, डा० सरिता पाण्डेय, डा० राजश्री यादव, डा० स्वाती विश्वकर्मा, डा० अचल सिंह, डा० रोहित कुमार सरोज, डा० चन्द्रभान, डा० विनोद वर्मा, डा० अर्चना, डा० प्रियंका सिंह, डा० रेनू प्रीति विश्वकर्मा, डा० बृजेश कन्नौजिया, डा० अजय, डा० पंकज एवं एम०बी०बी०एस० व पैरामेडिकल छात्रध्छात्राएं तथा कर्मचारी व विभिन्न समाचार पत्र से आये हुए पत्रकार व छायाकार बन्धु उपस्थित रहें।

राज्य मंत्री ने किया सुपर स्पेशियलिटी होम्योपैथिक क्लिनिक का उद्घाटन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर खेल कूद युवा कल्याण राज्य मंत्री गिरीश चंद्र यादव ने लाइन बाजार स्थिति डॉ. शीतला प्रसाद सुपर स्पेशियलिटी होम्योपैथिक क्लिनिक का उद्घाटन किया। उन्होंने फीता काटकर, होम्योपैथिक चिकित्सा के जनक डॉ. सैमुअल हैनीमैन के चित्र पर माल्यार्पण कर और दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। इसके बाद, उन्होंने अस्पताल के संस्थापक डॉ. शीतला प्रसाद सिंह के चित्र पर भी माल्यार्पण किया। इस अवसर पर अस्पताल के संचालक डॉ. शैलेश कुमार सिंह, डॉ. पूनम सिंह, डॉ. तन्मय सिंह और डॉ. बृजेश सिंह ने अतिथियों का पुष्पगुच्छ और अंगवस्त्र भेंट कर स्वागत किया। उद्घाटन से पूर्व, पंडित जी ने विधिवत मंत्रोच्चारण के साथ पूजा–अर्चना संपन्न कराई। राज्य मंत्री गिरीश चंद्र यादव ने इस मौके पर कहा कि यह जनपद में अपनी तरह का पहला होम्योपैथिक अस्पताल है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह क्लिनिक होम्योपैथिक के क्षेत्र में बेहतर उपचार प्रदान करेगा और मरीजों का इलाज कम खर्च में किया जाएगा। उन्होंने अस्पताल के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए डॉ. शीतला प्रसाद को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। इस कार्यक्रम में चिन्मय सिंह, शिवानी सिंह, प्रीति सिंह, वरिष्ठ बीजेपी नेता हरीश चंद्र सिंह, श्याम मोहन अग्रवाल, वीरेंद्र सिंह एडवोकेट, काली प्रसाद सिंह, वरिष्ठ पत्रकार डॉ. मनोज वत्स, वरिष्ठ पत्रकार विश्व प्रकाश श्रीवास्तव, रुद्र प्रताप सिंह, डॉ. संजीव सिंह, राकेश श्रीवास्तव और वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. विनोद सिंह सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

अरविन्द सोनकर न सीओ सदर व श्रेयश त्रिपाठी ने सीओ सिटी का कार्यभार किया ग्रहण, गिनाई प्राथमिकता

अयोध्या। क्षेत्र को अपराध मुक्त करना तथा फरियादियों को त्वरित न्याय दिलाना नवागत सीओ सदर अरविंद सोनकर की प्रमुख प्राथमिकता है।यह बातें सोमवार को सीओ सदर के रूप में कार्यभार ग्रहण करते समय अरविंद सोनकर ने बताई।उन्होंने क्षेत्र वासियों से अपील किया कि अगर उनके अधीनस्थ थाना क्षेत्र मे थाना अध्यक्ष द्वारा समस्याएं नहीं सुनी जाती है तो वे बेहिचक मुख्यालय स्थित उनके कार्यालय पर आकर अपनी समस्याओं को कह सकते हैं।बताया कि जिससे उनकी समस्याएं जल्द से जल्द हाल हो सके।वहीं उन्होंने अराजक तत्वों तथा अपराधियों को सख्त बड़े चेतावनी में कहा की किसी भी तरह की अपराध क्षेत्र में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।अगर कोई भी व्यक्ति समाज में किसी भी तरह के अप्रिय घटना करने की कोशिश करता है तो पुलिस उनसे शक्ति से निपटेगी।उन्होंने थाना रौनाही, महाराजगंज और गोसाईगंज के थाना अध्यक्ष को स्पष्ट निर्देश दिए कि शासन के मनसा अनुरूप महिलाओं की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र से शीघ्र निस्तारण करने की कोशिश करें। उन्होंने कहा कि उनकी कोशिश यही रहेगी की पुलिस और जनता के बीच मित्रवत व्यवहार रहे। बताते चलें वर्ष 2022 के पीपीएस अधिकारी अरविंद सोनकर मऊ जनपद के मूल निवासी हैं और इससे पहले उनकी तैनाती राम जन्मभूमि परिसर में हुई थी।वहीं सीओ मिल्कीपुर रहे श्रेयस त्रिपाठी ने भी सोमवार को सीओ सिटी का कार्यभार

किया।उन्होंने बताया किया शासन के मंशानुरुप कार्य करना उनकी प्रथम प्राथमिकता है। महिलाओ की सुरक्षा को लेकर क्षेत्र मे खास सतर्कता बरतेगी।उनकी कोशिश यही रहेगी कि कोई भी फरियादी उनके कार्यालय से निराश होकर न जाये।बताया कि क्षेत्र मे आपराधिक गतिविधियों पर पुलिस की पैनी नजर रहेगी।

संक्षिप्त खबरें

जौनपुर में कफ सिरप तस्करी 4 नई फर्मों पर केस, कुल 18 शामिलय 1.86 लाख बोतलें जब्त

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में प्रतिबंधित कोडिनयुक्त कफ सिरप की तस्करी के मामले में लगातार नए खुलासे हो रहे हैं। जिला औषधि निरीक्षक की जांच में रविवार को चार और नई फर्मों के नाम सामने आए हैं, जिनके खिलाफ कोतवाली थाने में केस दर्ज कराने की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। इसके साथ ही तस्करी में शामिल फर्मों की कुल संख्या अब 18 हो गई है। जांच में पता चला है कि ये सभी फर्में दिल्ली की मेसर्स वान्या इंटरप्राइजेज के प्रोपराइटर विशाल उपाध्याय (निवासीकृअशोक विहार कॉलोनी, सरसावा देहात, सहारनपुर) से जुड़ी थीं। इन फर्मों ने करोड़ों रुपये के प्रतिबंधित कफ सिरप का लेन–देन किया। औषधि विभाग को वान्या इंटरप्राइजेज की एक्सेल शीट में पुख्ता प्रमाण मिले हैं, जिनसे स्पष्ट है कि इन फर्मों ने 1.86 लाख से अधिक कोडिनयुक्त कफ सिरप की शीशियों का अवैध व्यापार किया है। जिला औषधि निरीक्षक रजत कुमार पांडेय ने जांच रिपोर्ट के आधार पर चारों फर्मों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए एएसपी को तहरीर सौंपी है। जिन नई फर्मों के नाम सामने आए हैं, उनमें प्रोपराइटर शिवम कुमार मौर्य, पुत्र जय कुमार मौर्य, निवासी विशेषरपुर, चौकिया की फर्म समेत अन्य तीन फर्मों के नाम औषधि विभाग की विस्तृत रिपोर्ट में शामिल हैं। सोमवार को इस मामले में बात करते हुए जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद ने इस मामले पर कहा कि, "जिन लोगों की भूमिका इस तस्करी में पाई जा रही है, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है और आगे भी की जाएगी।" वही इस मामले में सोमवार को बात करते हुए औषधि निरीक्षक रजत पांडे ने बताया कि, "चार नई फर्में जांच के दायरे में आई हैं, जिनके खिलाफ केस दर्ज कराया गया है। अब तक कुल 18 फर्मों पर कार्रवाई हो चुकी है। यह भी जांच की जा रही है कि इस नेटवर्क में और कितने लोग शामिल हैं।" जांच एजेंसियों का मानना है कि यह एक राज्यव्यापी स्तर का बड़ा रैकेट है, जिसमें स्थानीय मेडिकल एजेंसियों, सप्लायरों और बड़ी फर्मों की मिलीभगत सामने आ रही है। जौनपुर पुलिस ने भी तस्करी के पूरे नेटवर्क को खंगालने के लिए एक विशेष टीम गठित की है। यह मामला लगातार गहराता जा रहा है और आने वाले दिनों में और बड़े खुलासे होने की संभावना है।

शीत लहर व कोहरे को देखते हुए आरटीओ द्वारा ट्रैक्टर ट्राली पर रिफलेक्टर लगाने का कार्य हुआ शुरू

अयोध्या। आने वाले दिनों में शीतलहर व कोहरे को देखते हुए अभी से ही परिवहन विभाग के अधिकारी सड़क दुर्घटना को रोकने के लिए जुटे है।सोमवार को शीतकाल में कोहरे को लेकर बलरामपुर चीनी मिल, मिल रोजा गाँव, अयोध्या में गन्ने की ढुलाई में प्रयुक्त हो रही ट्रैक्टर–ट्रालियों एवं ट्रैकों में रिफ्लेक्टिव टेप तथा गन्ना भरे होने की दिशा में गन्ने के पीछे पीले रंग का रिफ्लेक्टिव टेप लगे लाल रंग के कपड़े को लगाए जाने का अभियान चलाया गया।इस मौके पर जिला गन्ना अधिकारी राजेश्वर यादव के माध्यम से शुगर मिल के यूनिट हेड सुधीर सिंह को निर्देश दिया गया कि शुगर मिल में आने वाले सभी ट्रैक्टर–ट्रालियों एवं ट्रैकों के लिए एक रजिस्टर बनाया जाए, तथा प्रतिदिन रिफ्लेक्टिव टेप एवं गन्ने के पीछे लाल कपड़ा लगाए जाये।इस मौके यूनिट हेड द्वारा बताया गया कि प्रतिदिन लगभग 500 गाड़ियाँ शुगर मिल में आती हैं तथा लगभग 5 000 ट्रैक्टर ट्राली इस कार्य में लगे हुए हैं। इस प्रकार यह कार्य लगभग 10 दिनों में पूर्ण हो जाएगा। इस मौके पर अभियान में उप परिवहन आयुक्त परिक्षेत्र, राजकुमार सिंह,संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) विश्वजीत सिंह,सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) आर.पी. सिंह सहित अन्य कर्मी उपस्थित रहे।

बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए खेलकूद का महत्वपूर्ण स्थान है : मनोज अग्रहरि

जौनपुर, बी.आर.पी. इंटर कॉलेज में 111वीं दो दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता 2025 का उद्घाटन किया गया। पूर्वांचल के प्रतिष्ठित व्यवसायी और विद्यालय के पूर्व छात्र मनोज कुमार अग्रहरि ने इसका शुभारंभ किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. प्रमोद कुमार श्रीवास्तव ने की। इस अवसर पर रविंद्र कुमार अग्रहरि, संतोष कुमार अग्रहरि, सुशील कुमार अग्रहरि, और अखिलेश श्रीवास्तव विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। प्रधानाचार्य डॉ. प्रमोद कुमार श्रीवास्तव ने अतिथियों का स्वागत करते हुए विद्यालय की प्रगति पर प्रकाश डाला।

मुख्य अतिथि मनोज कुमार अग्रहरि ने अपने संबोधन में बताया कि वे स्वयं विद्यालय के छात्र रहते हुए जनपद स्तरीय खोल प्रतियोगिताओं में चौंपियन रह चुके हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सर्वांगीण विकास के लिए खेलकूद का महत्वपूर्ण स्थान है। शारीरिक, मानसिक और शैक्षणिक प्रगति के लिए छात्रों को खेल प्रतियोगिताओं में बढ़–चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए। अग्रहरि ने विद्यालय के बहुमुखी विकास में सहयोग का आश्वासन भी दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानाचार्य द्वारा दी गई किसी भी जिम्मेदारी को वे पूरी निष्ठा से निभाएंगे और विद्यालय को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में सहयोग करेंगे। प्रतियोगिता के पहले दिन विभिन्न दौड़ स्पर्धाओं का आयोजन किय गया, जिसमें छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। 100 मीटर दौड़ (सीनियर बालक वर्ग) में सचिन यादव (कक्षा 12, कला) ने प्रथम, सागर गौतम (कक्षा 12, गणित) ने द्वितीय और शिव गौड़ (कक्षा 11, गणित) तथा रोशन यादव (कक्षा 12, गणित) ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया। 100 मीटर (सीनियर बालिका वर्ग) में शिवानी साहू प्रथम, अंचल सोनकर द्वितीय और आस्था पटेल तृतीय रहीं। जूनियर बालक वर्ग की 100 मीटर दौड़ में राहुल गौतम ने पहला, शिवनारायण ने दूसरा और अवधेश निषाद ने तीसरा स्थान हासिल किया। 200 मीटर (सीनियर बालक वर्ग) में सचिन यादव प्रथम, सागर गौतम द्वितीय और अफान अहमद खान तृतीय रहे। 200 मीटर (सीनियर बालिका वर्ग) में शिवानी साहू ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि ज्योति श्रीवास्तव द्वितीय और अंचल सोनकर व आस्था पटेल संयुक्त रूप से तृतीय स्थान पर रहीं। 400 मीटर (बालक एवं बालिका वर्ग) में सचिन यादव और शिवानी साहू ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। सागर गौतम द्वितीय और रोशन यादव तृतीय रहे। 800 मीटर (सीनियर बालक वर्ग) में सचिन यादव प्रथम, राहुल गौतम द्वितीय और शिव गौड़ तृतीय स्थान पर रहे। बालिका वर्ग की 800 मीटर दौड़ में आंचल कुमारी ने पहला, काजल ने दूसरा और कोमल व जान्हवी पटेल ने संयुक्त रूप से तीसरा स्थान प्राप्त किया।उक्त जानकारी कॉलेज के मीडिया प्रभारी विश्व प्रकाश श्रीवास्तव ने दिया।

3.19 करोड़ की लागत से 3 से 6 वर्ष के दिव्यांग बच्चों की देखभाल हेतु अयोध्या में तैयार हो रहा आधुनिक डे–केयर सेंटर

अयोध्या।उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार ने दिव्यांग बच्चों के लिए एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया है।रामनगरी अयोध्या में श्रवणबाधित, दृष्टिबाधित व बौद्धिक दिव्यांग बच्चों के लिए आधुनिक बचपन डे–केयर सेंटर तेजी से निर्माणाधीन है।दिव्यांग जन सशक्तीकरण विभाग के अंतर्गत करीब 3.19 करोड़ रुपये की लागत से नजूल की भूमि पर बन रहे इस सेंटर से 3 से 6 वर्ष की आयु के उन दिव्यांग बच्चों को विशेष देखभाल, प्रारंभिक शिक्षा और थेरेपी मिलेगी, जिनके माता–पिता दिनभर काम पर रहते हैं। यह सेंटर अयोध्या धाम के पवित्र परिक्रमा मार्ग के पास ब्रह्मकुंड गुरुद्वारा क्षेत्र में करीब 4 हजार वर्ग फुट भूमि पर बनाया जा रहा है। राज्य कैबिनेट से स्वीकृति मिलने के बाद निर्माण कार्य में तेजी आई है और कार्यदाई संस्था उत्तर प्रदेश राज्य निर्माण सहकारी संघ लिमिटेड इसे निर्धारित समय में पूरा करने में जुटी है।यह तीन मंजिला होगा।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की संवेदनशील सोच का यह जीवंत उदाहरण है कि दिव्यांग बच्चों को भी समाज की मुख्यधारा में लाने के लिए सरकार कोई कसर नहीं छोड़ रही। विशेष डे–केयर सेंटर की कमी के कारण कई अभिभावक अपने छोटे दिव्यांग बच्चों को घर पर अकेला छोड़ने को मजबूर थे या नौकरी छोड़नी पड़ती थी। अब अयोध्या में बन रहा यह सेंटर उन परिवारों के लिए वरदान साबित होगा।सेंटर में बच्चों को सुबह से शाम तक सुरक्षित माहौल में रखा जाएगा। प्रशिक्षित विशेष शिक्षक, थेरेपिस्ट, केयरटेकर और मनोवैज्ञानिक बच्चों की जरूरत के अनुसार व्यक्तिगत ध्यान देंगे।शुरुआती दौर में 30–40 बच्चों को प्रवेश दिए जाने की सूचना मिल रही है, जिसे बाद में बढ़ाया जा सकता है।अलग–अलग दिव्यांगता (श्रवणबाधित, दृष्टिबाधित, बौद्धिक दिव्यांग) के लिए विशेष कक्षाएं व थेरेपी रूम, स्पीच थेरेपी, ऑक्यूपेशनल थेरेपी, फिजियोथेरेपी और सेंसरी इंटीग्रेशन थेरेपी की सुविधा, ब्रेल किट, श्रवण यंत्र, संवेदी खिलौने और विशेष शैक्षिक सामग्री रैंप, लिफ्ट, हैंडीकैप टॉयलेट सहित पूरी तरह दिव्यांग–अनुकूल भवन प्रशिक्षित विशेष शिक्षक, स्पीच थेरेपिस्ट और साइकोलॉजिस्ट की टीम, पौष्टिक भोजन, साफ–सफाई, स्वास्थ्य जाँच व सीसीटीवी निगरानी की व्यवस्था रहेगी।अभिभावकों के लिए काउंसलिंग और जागरूकता सत्र यह सेंटर न केवल बच्चों की देखभाल करेगा बल्कि उनकी प्रारंभिक शिक्षा, भाषा विकास और सामाजिक कौशल को भी बढ़ावा देगा, ताकि आगे चलकर वे सामान्य स्कूलों में आसानी से दाखिला ले सकें। जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी चंद्रेश त्रिपाठी ने बताया कि योगी सरकार प्रदेशभर में दिव्यांगजनों के कल्याण के लिए लगातार नए आयाम स्थापित कर रही है। चाहे दिव्यांगों को आरक्षण, मुफ्त कोचिंग, कृत्रिम अंग वितरण हो या अब यह अनूठा डे–केयर सेंटर हर कदम यह संदेश दे रहा है कि उत्तर प्रदेश में कोई भी दिव्यांग पीछे न छूटे।अयोध्या में बन रहा बचपन डे–केयर सेंटर रामलला की नगरी में दिव्यांग बच्चों के लिए नई उम्मीद की किरण बनकर उभरेगा। यह अगले वित्तीय वर्ष में जुलाई माह तक बनकर तैयार हो जाएगा। इसका उद्घाटन होने पर सैकड़ों परिवारों के चेहरे पर खुशी लौट आएगी।

संक्षिप्त खबरें

खेलकूद प्रतियोगिता में 100 मीटर दौड़ में हर्षित ने मारी बाजी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर जफराबाद थाना क्षेत्र के उमानाथ सिंह हायर सेकेंडरी स्कूल महरुपुर में आयोजित खेलकूद प्रतियोगिता में सोमवार को कक्षा पांच से सात तक की कक्षाओं के प्रतियोगिता का आयोजन हुआ।कक्षा सात के छात्रों के 100 मीटर दौड़ में हर्षित मिश्र ने प्रथम तथा यतार्थ मिश्र ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। छात्राओं के 100 मीटर की दौड़ में सिद्धि सिंह ने पहला तथा प्राची यादव ने दूसरा स्थान पाया।कक्षा पांच के

चेस के फाइनल में साकेत सिंह ने विदुत यदुवंशी को हराकर चौंपियन बने।वही छात्राओं के चेस का फाइनल आराध्या सिंह ने जीता।रस्साकशी में कक्षा पांच की छात्राओं ने पहला स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम के दौरान प्रबन्धक शिवेंद्र प्रताप सिंह तथा प्रधानाचार्य डॉ ब्रूनो डी नाजरेथ उप प्रधानाचार्य कृष्णा यादव मौजूद रहकर बच्चों का उत्साह वर्धन करते रहे।वही स्कूल के अध्यापक अध्यापिकाओं गिरिष्मा, अंजली कृष्णन,सूर्यकांत त्रिपाठी, मनीष उपाध्याय, रजनीश सिंह,प्रीति यादव,अवनीश कुमार सिंह,सतेंद्र भारती आदि अपने अपने टीम के बच्चों के साथ मौजूद रहे।

पेंशनरों का प्रदर्शन, आठवें वेतन आयोग में पेंशन पुनरीक्षण की मांग

भदोही, (संवाददाता)। सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं पेंशनर्स एसोसिएशन के प्रांतीय आह्वान पर शनिवार को कलेक्ट्रेट पर पेंशनरों ने प्रदर्शन किया। उन्होंने प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन एसडीएम को सौंपा। मांग की कि केंद्रीय आठवें वेतन आयोग के टर्म्स ऑफ रेफरेंस में सेवानिवृत्त पेंशनरों के पेंशन पुनरीक्षण और अन्य लाभों को शामिल करने की मांग की है। अध्यक्ष विजयनाथ द्विवेदी ने कहा कि तीन नवंबर 2025 को जारी आठवें वेतन आयोग के संकल्प पत्र में पूर्व सेवानिवृत्त कर्मचारियों की पेंशन पुनरीक्षण का उल्लेख नहीं किया गया है। इससे देश के करोड़ों पेंशनरों के भविष्य पर संकट आने की आशंका है। पिछले सभी वेतन आयोगों में पेंशनरों के अधिकारों का विशेष उल्लेख होता था लेकिन आठवें आयोग में इसे छोड़ दिया गया है। ज्ञापन में न्यायालय के एक निर्णय का हवाला भी दिया गया है, जिसमें कहा गया है कि पेंशन कर्मचारी की सेवा का प्रतिफल है, सरकार का दान नहीं। संगठन ने सरकार से आग्रह किया है कि आठवें वेतन आयोग को पूर्व सेवानिवृत्त पेंशनरों की पेंशन और अन्य लाभों पर सिफारिशें देने के लिए निर्देशित किया जाए। इस मौके पर बलेश कुमार मिश्रा, प्रभाशंकर मिश्रा आदि रहे। श्रीनिवास उपाध्याय, बलेश मिश्र, यदुपति दुबे, अरुण कुमार मिश्र, राजेंद्र तिवारी, सुखराज मौर्य, हूबलाल यादव, जीतनारायण यादव व अन्य थे।

हार–जीत खेल का हिस्सा, फिर से प्रयास कर बनें विजेता – चंदन सिंह

भदोही, (संवाददाता)। नगर के महबूब पुर सेंट जेवियर्स सीनियर सेकेड्री स्कूल में आयोजित चार दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता त्वरण का शनिवार को समापन हो गया। अंतिम दिन विजेता टीमों, बालक–बालिकाओं को ट्रॉफी, मेडल और सर्टिफिकेट आदि देकर सम्मानित किया गया। प्रबंधक चंदन सिंह ने कहा कि हार जीत खेल का हिस्सा है। अब आप दोबारा मेहनत कर विजेता बनें। तीन दिन तक चली प्रतियोगिता में 12वीं तक के बच्चों ने कबड्डी, क्रिकेट, खोखो, बैडमिंटन के अलावा एथलेटिक्स में लांग जंप, शॉट पुट, 100 मीटर, 200 मीटर दौड़ और रिले रेस में जौहर दिखाए। अंतिम दिन इन खेलों के प्रथम तीन स्थान पर आने वाले बालक बालिकाओं को पुरस्कृत किया गया। प्रबंधक ने कहा कि बच्चों में यह आदत डालनी चाहिए कि कोई भी चीज जीतकर हासिल करें। जिस बालक में यह आदत पड़ गई, उसे संसार में आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक सकता। बच्चों को प्रिंसिपल संदीप कुमार बाजपेयी ने भी पुरस्कृत किया। कहा कि यह मेडल, प्रशस्ति आपके जीवन के लिए हमेशा प्रेरणास्रोत और आपके परिवार के लिए शोभा बनी रहेगी। संचालन साधना शुक्ला ने किया। विद्यालय के खेल शिक्षक प्रदीप कुमार मौर्य और राजकरन यादव ने आभार जताया। शिक्षकों के अलावा हेड बॉय आशीष मौर्य, हेड वाइस बॉय अर्नव, हेड गर्ल तृषा व हेड वाइस गर्ल हेरा का प्रतियोगिता में खास योगदान रहा।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9415034002
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।